PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 217 ● भिलाई, शनिवार 07 मार्च 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

खाड़ी देशों की ओर जाने वाली 100 से अधिक उड़ानें रद्द, यात्री बोले-नहीं होनी चाहिए जंग

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में जारी स्थिति की वजह से पश्चिम की ओर जाने वाली कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में देरी और समय-सारणी में बदलाव हो रहे हैं। खाड़ी देशों की ओर जाने वाली 100 से अधिक उड़ानें मंगलवार को रद्द कर दी गईं, जिसके चलते इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्रियों की संख्या में भारी कमी देखने को मिल रही है। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अपने मेहमानों के लेने आए खुर्रम शाहजहां ने आईएएनएस से कहा कि मुझे कई मेहमानों का स्वागत करना था, इसलिए मैं हवाई अड्डे के टर्मिनल तीन पर आया था। रिजर्वेशन काउंटर पर मुझे बताया गया कि फिलहाल कोई टिकट जारी नहीं किए जा रहे हैं। मुझे पता चला कि सुबह विमानों ने उड़ान भरी थी लेकिन वे भी वापस आ गईं । गल्फ कंट्री के लिए अभी कोई भी विमान उड़ान नहीं भर रहा है। दुबई, दोहा, कुवैत, बहरीन के लिए कोई भी फ्लाइट ऑपरेट नहीं हो रही है। किसी के पास कोई कंन्फर्म डेट नहीं है कि कब तक स्थिति सामान्य होगी। उन्होंने कहा कि स्टॉफ ने बताया कि आज, कल या पांच तारीख के बाद से स्थिति नॉर्मल भी हो सकती है। कुछ यात्रियों को उड़ान कैंसिल होने के मैसेज आए हैं, लेकिन अभी रिजर्वेशन के लिए कोई भी कुछ बता नहीं पा रहा है।

मुआवजे में देरी पर एम्प्लॉयर को जेब से भरना होगा पैसा सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि कर्मचारी प्रतिकर अधिनियम के तहत पेनल्टी की रकम एम्प्लॉयर को खुद चुकानी पड़ेगी, भले ही मुआवजा इंश्योरेंस से कवर हो। कोर्ट ने कहा कि यह कानून कर्मचारियों की भलाई के लिए बना है, इसलिए इसकी व्याख्या लाभार्थियों के हक में उदार तरीके से होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कई पुराने फैसलों का हवाला देते हुए जोर दिया कि इस कानून को कर्मचारियों के पक्ष में देखना चाहिए। सेक्शन 4(3)(डु) के तहत पेनल्टी की जिम्मेदारी पूरी तरह एम्प्लॉयर पर है। कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट का वह आदेश रद कर दिया।

छत्तीसगढ़ में दर्दनाक बस हादसा

ब्रेक फेल होते ही पलटी यात्री बस, पांच लोगों की मौत...

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। शुक्रवार को करडेगा कुनकुरी मार्ग पर एक यात्री बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में 5 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 14 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग तुरंत राहत कार्य में जुट गए। मिली जानकारी के अनुसार, यह यात्री बस करडेगा से कुनकुरी की ओर जा रही थी। जैसे ही बस करडेगा चौकी क्षेत्र के गोड़ाअंबा गांव के पास पहुंची, अचानक चालक का नियंत्रण बस पर से हट गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि बस का ब्रेक फेल होने की आशंका जताई जा रही है। नियंत्रण खोने के बाद बस सड़क किनारे बने एक निर्माणाधीन भवन की दीवार से टकरा गई और पलट गई। बस के पलटते ही यात्रियों के बीच चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंच गए। हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए राहत कार्य शुरू कर दिया। उन्होंने बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने की कोशिश की और तुरंत पुलिस व प्रशासन को सूचना दी। कुछ ही देर में पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और घायलों को सुरक्षित बाहर निकालने का काम शुरू किया गया। मुख्यमंत्री कार्यालय के निर्देश पर तुरंत एम्बुलेंस सेवा सक्रिय की गई। घटनास्थल पर तीन एम्बुलेंस भेजी गईं, जिनकी मदद से घायलों को नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया। घायलों को कुनकुरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और होलीक्रॉस अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। इस दर्दनाक हादसे में मृतकों में एक छोटा बच्चा भी शामिल बताया जा रहा है, जिससे पूरे इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर मौजूद है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। जशपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी जीएस जात्रा ने शुरुआती जानकारी में तीन मौतों की आधिकारिक पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ भी सकती है। फिलहाल प्राथमिकता घायलों के इलाज पर दी जा रही है। हालांकि स्थानीय सूत्रों के मुताबिक इस हादसे में अब तक पांच लोगों की मौत होने की खबर सामने आ रही है। प्रशासन ने इस हादसे की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि बस का ब्रेक फेल हुआ था या हादसे की कोई अन्य वजह थी।

इन लोगों की हुई मौत

ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर कुनकुरी डॉ. श्रीमती के. कुजूर ने हादसे में 5 लोगों की मौत की पुष्टि की है। मृतकों में पति-पत्नी और पिता-पुत्र शामिल हैं। महेश राम (45) पिता रघु राम, ग्राम मकरीबंधा, तहसील दुलदुला बिमला (42) पति महेश राम, ग्राम मकरीबंधा, तहसील दुलदुला (पति-पत्नी) संपति देवी (52) पति केशवर राम, जिला सिमडेगा, झारखंड दिनेश्वर (40) पिता दिलभजन, ग्राम ढोढ़ी, तहसील कुरडेग, जिला सिमडेगा, झारखंड घनश्याम (5 साल) पिता दिनेश्वर, ग्राम ढोढ़ी, जिला सिमडेगा (पिता-पुत्र)

घायलो से मिलने कौशल्या देवी साय पहुंची अस्पताल

हादसे की सूचना मिलने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पत्नी कौशल्या देवी साय कुनकुरी अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और डॉक्टरों को बेहतर इलाज व सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। घायलों का इलाज कुनकुरी, जिला अस्पताल और अन्य अस्पतालों में किया जा रहा है। 13 घायलों का स्थानीय अस्पतालों में उपचार जारी है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का बयान

आज अंधकार की ओर बढ़ रहे राजनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंध

कोल्लम। एजेंसी

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा दौर की राजनीति में अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मामले में हर कोई अंधकार की ओर बढ़ रहा है और ज्ञान से दूर जा रहा है। उन्होंने कहा कि चाहे राजनीति हो या अंतरराष्ट्रीय संबंध, एक-दूसरे को समझने का कोई प्रयास नहीं किया जाता और असहमति के मामलों में हिंसा का सहारा लिया जाता है। उन्होंने कहा, आज हम राजनीति में अंतरराष्ट्रीय संबंधों को देख रहे हैं कि हर कोई अंधकार की ओर बढ़ रहा है और ज्ञान से दूर जा रहा है। दूसरे व्यक्ति को समझने के प्रयास नहीं किया जाता है। बस, बम गिराकर उन्हें मार डाला जाता है। उन्होंने आरोप लगाया, हमारे यहां की राजनीति में भी यही हाल है। अगर आप किसी से सहमत नहीं होते, तो आप उस पर हमला करते हैं या उसके प्रति हिंसक हो जाते हैं। वह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और समाज सुधार संत श्री नारायण गुरु की मुलाकात की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी और नारायण गुरु दोनों ही इस तरह की हिंसा के विरोधी थे और जनता के बीच प्रेम, सम्मान, क्षमता और समझदारी की पैरवी करते थे। अपने संबोधन में आगे उन्होंने कहा कि संविधान में भी वे मूल्य समाहित हैं, जिनकी पैरवी नारायण गुरु और महात्मा गांधी ने की थी। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि महात्मा गांधी ने उस समय दुनिया के सबसे ताकतवर साम्राज्य से लड़ाई लड़ी थी और उनके साथ जो कुछ भी किया गया।

राजस्थान के चूरू में होटल में हथियारबंद हमलावरों की गोलीबारी

चूरू। राजस्थान के चूरू जिले के एक आलीशान होटल में अंधाधुंध गोलीबारी की एक भयावह घटना घटी, जिसमें होटल मालिक की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह घटना जिले के बिदासर इलाके में स्थित होटल द रॉयल ट्रीट में रात करीब 12:30 बजे घटी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) जय यादव के अनुसार, तीन हथियारबंद बदमाश होटल परिसर में घुस गए और गोलीबारी शुरू कर दी। होटल मालिक मनीराम मंडा को कई गोलियां लगीं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दादिबा निवासी तीन अन्य, भीखाराम जाट, श्रवण जाट और प्रभुराम प्रजापत इस हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए।

अनिल अंबानी पर ईडी का बड़ा एक्शन

अंबानी के रिलायंस पावर से जुड़े 12 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत के प्रमुख उद्योगपति अनिल अंबानी की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार सुबह रिलायंस पावर और अनिल अंबानी से जुड़े कई कारोबारियों और संस्थाओं के ठिकानों पर बड़े पैमाने पर छापेमारी की है। सूत्रों के अनुसार, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में लगभग 10 से 12 अलग-अलग स्थानों पर एक साथ यह कार्रवाई शुरू की गई। इस अभियान को अंजाम देने के लिए ईडी की करीब 15 विशेष टीमों का गठन किया गया था, जिन्होंने सुबह-सुबह उन लोगों के पंजीकृत कार्यालयों और निजी आवासों पर तलाशी ली, जो इस पावर कंपनी से किसी न किसी रूप में जुड़े हुए हैं। एजेंसी के सूत्रों का कहना है कि यह हालिया छापेमारी रिलायंस पावर से जुड़े संदिग्ध फंड ट्रांसफर और जटिल वित्तीय लेन-देन की गहन जांच का हिस्सा है। हालांकि, शुक्रवार को हुई इस ताजा कार्रवाई को लेकर ईडी की ओर से अब तक कोई आधिकारिक सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया गया है। इससे पहले भी ईडी ने अनिल अंबानी के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड से जुड़े बैंक धोखाधड़ी मामले में कार्रवाई करते हुए एजेंसी ने मुंबई के पाली हिल स्थित उनके आलीशान घर 'अबोड' को अस्थायी रूप से कुर्क किया था। इस संपत्ति की कीमत करीब 3,716.83 करोड़ रुपए बताई गई है।

सीएम ने अजित को समर्पित किया बजट

पूर्व उपमुख्यमंत्री के नाम पर नागरिक पुरस्कार.....

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के इतिहास में आज एक भावुक और ऐतिहासिक क्षण देखा गया। मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज विधानमंडल में साल 2026-27 का राज्य बजट पेश किया। यह पहला मौका है जब मुख्यमंत्री फडणवीस ने वित्त मंत्री के रूप में बजट भाषण पढ़ा। बजट की शुरुआत करते हुए फडणवीस का गला भर आया। उन्होंने पूर्व उपमुख्यमंत्री दिवंगत अजित पवार को याद करते हुए कहा, आज मेरा हृदय भारी है। अजित दादा ने 11 बार बजट पेश कर राज्य को वित्तीय अनुशासन दिया। यह बजट उन्हीं को समर्पित है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र विधानसभा में बजट भाषण के दौरान घोषणा की कि अजित पवार की स्मृति में एक भव्य स्मारक बनाया जाएगा और उनके नाम पर राज्य स्तरीय 'नागरिक पुरस्कार' की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने कहा कि अजित दादा के जाने से जो शून्य पैदा हुआ है, उसे कभी भरा नहीं जा सकता।

उत्तर प्रदेश : ईको वैन और बस में टक्कर, 3 महिला और 3 पुरुष सहित 6 की मौत

हाथरस। उत्तर प्रदेश में हाथरस जनपद के सादाबाद कोतवाली क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार सुबह सड़क हादसे में 3 महिलाएं और 3 पुरुष सहित 6 की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। जानकारी के अनुसार ईको गाड़ी संख्या डीएल 9सी बीई 9852 में सवार लोग दिल्ली के प्रेम नगर से धौलपुर (राजस्थान) जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही बस संख्या बीआर 06 पीजी 7942 ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में 3 महिलाओं और 3 पुरुषों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा 3 छोटे बच्चे और 3 अन्य व्यक्ति (दो पुरुष और एक महिला) गंभीर रूप से घायल हुए।

अमेरिकी वित्त मंत्री ने की पुष्टि

ईरान-अमेरिका जंग के बीच भारत को बड़ी राहत ट्रंप ने दी 30 दिनों तक रूस से तेल खरीदने की छूट

नई दिल्ली। ईरान से जारी युद्ध के बीच अमेरिका ने भारत को रूसी तेल खरीदने की अस्थायी छूट दे दी है। अमेरिका का कहना है कि यह कदम वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति बनाए रखने के लिए उठाया गया है। गौरतलब है कि इससे पहले अमेरिका ही भारत पर रूसी तेल खरीद बंद करने का दबाव बना रहा था। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बड़ी संख्या में तेल के जहाज फंसे होने की खबरें सामने आ रहो हैं।गुरुवार को रॉयटर्स से बातचीत में दो वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि अमेरिकी सरकार ने 30 दिनों की अस्थायी छूट देने का फैसला किया है। इस छूट के तहत समुद्र में पहले से मौजूद रूसी तेल के कार्गो को भारत तक पहुंचाने और उनकी बिक्री जारी रखने की अनुमति दी जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी सरकार में मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भी इस फैसले की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि इस कदम का उद्देश्य वैश्विक बाजार में तेल की उपलब्धता बनाए रखना है। उनके अनुसार, ग्लोबल मार्केट में तेल की सप्लाई बनाए रखने के लिए अमेरिका भारतीय रिफाइनरियों को 30 दिनों तक रूसी तेल खरीदने की अनुमति दे रहा है.बिसेंट ने स्पष्ट किया कि यह छूट केवल उन कार्गो पर लागू होगी जो पहले से समुद्र में हैं। उनका कहना है कि इससे रूस को कोई बड़ा आर्थिक फायदा नहीं होगा, क्योंकि यह व्यवस्था केवल पहले से जारी लेनदेन तक सीमित है। इस बीच, अमेरिकी उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ ने कहा कि अमेरिका भारत की अल्पकालिक और दीर्घकालिक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए उसके साथ मिलकर काम करेगा। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य के ईरान द्वारा लगभग अवरुद्ध किए जाने के बाद वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की कीमतों में बढ़ोतरी देखी गई है। दुनिया के कुल तेल और एलएनजी व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत इसी जलमार्ग से गुजरता है। भारत अपनी लगभग 88 प्रतिशत कच्चे तेल और करीब 50 प्रतिशत प्राकृतिक गैस की जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है।

तेहरान में स्कूल पर हमला हुआ: ईरानी विदेश मंत्रालय

इस्राइल का दावा-50 लड़ाकू विमानों ने तबाह किया खामेनेई का भूमिगत बंकर हुआ, वीडियो जारी किया

तेल अवीव। एजेंसी

इस्राइली सेना ने दावा किया है कि उसके 50 लड़ाकू विमानों ने तेहरान में उस भूमिगत बंकर पर हमला किया है, जिसे ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के लिए बनाया गया था। इस्राइल ने एक बयान में दावा किया कि यह परिसर मध्य तेहरान की सड़कों के नीचे पूरी तरह फैला हुआ था और इसमें बैठक कक्ष भी शामिल थे। बयान में यह भी कहा गया कि खामेनेई की हत्या के बाद भी वरिष्ठ अधिकारी इस सुविधा का इस्तेमाल करते रहे। इसके अलावा, इस्राइली सेना ने ईरान के शहर कोम के एक औद्योगिक इलाके के लोगों को तत्काल वहां से बाहर निकल जाने को कहा है। आईडीएफ ने अपने फारसी भाषा एक्स खाते पर एक पोस्ट में कोम शोकोहियेह औद्योगिक क्षेत्र का नक्शा साझा किया। नक्शे में एक इलाके को लाल रेखाओं से चिह्नित किया गया है। सेना ने कहा कि वह यहां आने वाले कुछ घंटों में कार्रवाई करेगी। सेना ने लोगों से कहा कि नक्शे में दिखाए गए क्षेत्र को तुरंत खाली कर दें। इस्राइली सेना के मुताबिक, इस इलाके में रुकना लोगों की जान के लिए खतरा बन सकता है। वहीं, इरानी विदेश मंत्रालय ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इस्राइली ने राजधानी तेहरान में एक प्राथमिक विद्यालय को निशाना बनाया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि हमला तेहरान के निलोफर स्क्वायर स्थित प्राथमिक विद्यालय पर हुआ। उन्होंने पोस्ट के साथ एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें स्कूल की कक्षाओं की खिड़कियां टूटी हुई दिखाई दे रही हैं और अंदर काफी मलबा फैला हुआ है। हालांकि, उन्होंने इस हमले में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं दी। ईरान की राजधानी तेहरान और अन्य प्रमुख शहरों पर हवाई हमलों की एक नई और भयंकर लहर शुरू हो गई है। तेहरान विश्वविद्यालय के आसपास और आवासीय क्षेत्रों सहित कई स्थानों पर रात भर बड़े विस्फोट हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, तेहरान के पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में बमबारी पहले के दिनों के मुकाबले कहीं अधिक तीव्र रही है। इसके अलावा, शिराज, इस्फहान और मिसाइल ठिकानों वाले करमनशाह में भी भारी विस्फोटों की सूचना मिली है। शिराज के जीबाशहर इलाके में हुए एक बड़े हमले में 20 लोगों की जान चली गई और 30 अन्य घायल हो गए।

विशेषाधिकार समिति के सामने होंगे पेश

विधानसभा ने अरविंद की मांग खारिज की

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को विशेषाधिकार समिति की बैठक का लाइव प्रसारण किए जाने की मांग पर आज पेश होने के समन जारी किए हैं। इसके साथ ही विधानसभा की ओर से भेजे गए आधिकारिक पत्र में कहा गया है कि समिति की कार्यवाही गोपनीय होती है और नियमों के तहत इसका लाइव प्रसारण संभव नहीं है। विधानसभा सचिवालय की ओर से 5 मार्च को जारी पत्र में लिखा गया है कि यह पत्र आपके दिनांक 3 मार्च 2026 के पत्र के संदर्भ में है, जो आपने 18 फरवरी 2026 को जारी समन के उत्तर में लिखा था, जिसमें आपने विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही के लाइव प्रसारण का अनुरोध किया था। उप सचिव (विधान) सदानंद साह की ओर से लिखा गया है कि इस संबंध में अध्यक्ष ने मुझे सूचित किया है कि विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही गोपनीय होती है।

उड़ीसा से मोडिफाईड कार में पुष्पा स्टाईल से गांजे की तस्करी, पुलिस रेड में दो आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों से करीब 29 किलो गांजा, रिट्ज कार और दो मोबाइल समेत 17.65 लाख की संपत्ति जब्त

रायगढ़। पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन रायगढ़ पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन आघात के तहत थाना लैलूंगा और साइबर थाना की संयुक्त टीम ने उड़ीसा से गांजा तस्करी कर ला रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से करीब 29 किलो गांजा, गांजा परिवहन में प्रयुक्त मारुति सुजुकी रिट्ज कार और दो मोबाइल जब्त किए हैं। आरोपियों द्वारा फिल्म 'पुष्पा' की तर्ज पर कार के दरवाजों और बैक लाइट में विशेष चेंबर बनाकर गांजा छुपाया गया था, ताकि पुलिस जांच से बचा जा सके। इस कार्रवाई में कुल 17.65 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त की गई है तथा फरार सप्लायर एवं सरगना के विरुद्ध भी नामजद अपराध पंजीबद्ध किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में जिले में मादक पदार्थों पर पूर्ण अंकुश लगाने के उद्देश्य से ऑपरेशन आघात संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि पत्थलगांव क्षेत्र का एक व्यक्ति उड़ीसा से गांजा लाकर

रायगढ़ होते हुए अन्य राज्यों में सप्लाई करता है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी सिंह द्वारा थाना लैलूंगा एवं साइबर थाना की संयुक्त टीम को आरोपियों की धरपकड़ के निर्देश दिए गए। 01 मार्च को सूचना मिली कि दो व्यक्ति चॉकलेट रंग की मारुति सुजुकी रिट्ज कार से उड़ीसा से गांजा लेकर पाकरगांव लैलूंगा की ओर आ रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा पाकरगांव अटल चौक के पास घेराबंदी की गई। शाम करीब 6 बजे संदिग्ध कार दिखाई देने पर पुलिस ने वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी पुलिस को देखकर वाहन को कच्चे रास्ते की ओर मोड़कर भागने लगे। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया। वाहन में सवार आरोपियों ने अपना नाम श्रवण कुमार निषाद और महेन्द्र प्रसाद चौहान बताया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने गांजा तस्करी से इंकार किया, लेकिन पुलिस को मिली सटीक सूचना के आधार पर वाहन की बारीकी से जांच की गई, जिसमें कार के दरवाजों और बैक लाइट के अंदर बनाए गए गुप्त चेंबर से गांजा बरामद हुआ। आरोपी श्रवण कुमार निषाद के कब्जे से करीब 19.033 किलोग्राम गांजा तथा आरोपी महेन्द्र प्रसाद चौहान के कब्जे से करीब 10.082 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। इसके अलावा गांजा परिवहन में प्रयुक्त मारुति सुजुकी रिट्ज कार और दोनों आरोपियों के मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि रामकुमार कुजूर निवासी महेशपुर थाना पत्थलगांव जिला जशपुर द्वारा उन्हें उड़ीसा से गांजा लाने के लिए प्रति 10 किलो गांजा पर 10,000 रुपये देने का लालच दिया गया था। दोनों आरोपी उड़ीसा जाकर गांजा लाए और उसे कार में छुपाकर रामकुमार कुजूर तक पहुंचाने जा रहे थे। इस मामले में थाना लैलूंगा में आरोपी श्रवण कुमार निषाद, महेन्द्र प्रसाद चौहान और फरार आरोपी रामकुमार कुजूर के धारा 20(बी), 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है, जबकि फरार आरोपी रामकुमार कुजूर की तलाश जारी है।

मंच पर महाभारत : कृषि महाविद्यालय कार्यक्रम में सियासी संग्राम

मंत्री की मौजूदगी में हाथापाई की नौबत

अंबिकापुर। प्रतापपुर ब्लॉक के घोन्धा में कृषि महाविद्यालय भवन के भूमिपूजन का मंच विकास के संदेश से ज्यादा राजनीतिक असहजता का केंद्र बन गया। कार्यक्रम के बीच भारतीय जनता पार्टी के दो पदाधिकारी मंच पर ही आमने-सामने आ गए और विवाद इतना बढ़ा कि हाथापाई की नौबत आ गई।

भूमिपूजन में भाजपा पदाधिकारी भिड़े

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार्यक्रम में रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 7 के विधायक और कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम तथा प्रतापपुर विधायक शकुंतला पोर्ते की मौजूदगी थी। इसी बीच प्रदेश पदाधिकारी अनूप गुप्ता और मंडल अध्यक्ष मुकेश तायल के बीच मंच पर बैठने की व्यवस्था को लेकर बहस छिड़ गई। कुछ ही मिनटों में बहस तीखी नोकझोंक में बदली और मंच पर हो-हल्ला मच गया। आयोजन समिति के सदस्य और स्थानीय कार्यकर्ता स्थिति संभालने की कोशिश करते रहे,लेकिन तनाव खुलकर सामने आ चुका था।

हाथापाई की नौबत,अतिथि असहज

विवाद इतना बढ़ा कि धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। मंच पर मौजूद अतिथि और कार्यकर्ता स्तब्ध रह गए। माहौल असहज होते देख वरिष्ठ नेताओं और आयोजकों ने बीच-बचाव किया और किसी तरह स्थिति को काबू में लिया। कार्यक्रम की रूपरेखा तय थी, पर कुछ देर के लिए पूरा आयोजन पटरी से उतरता दिखा। बाद में भूमिपूजन की औपचारिकता पूरी हुई,लेकिन घटना ने विकास कार्यक्रम पर राजनीतिक अनुशासन का सवाल खड़ा कर दिया।

सवाल संगठन पर,विवाद ने बटोरीं सुर्खियां

कृषि महाविद्यालय भवन का भूमिपूजन क्षेत्र के लिए अहम परियोजना माना जा रहा है। ऐसे मौके पर सार्वजनिक मंच पर पदाधिकारियों की तकरार ने संदेश से ज्यादा विवाद को सुर्खियों में ला दिया। स्थानीय राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि अंदरूनी असंतोष अब खुले मंच तक पहुंच चुका है। संगठन के भीतर समन्वय और अनुशासन को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

अवैध उत्खनन व परिवहन पर खनिज विभाग की सख्त कार्रवाई, एक सप्ताह में 27 वाहन जब्त, विभिन्न थानों में सुपुर्द

कलेक्टर के निर्देश पर सतत कार्रवाई, दोषियों पर विधिसम्मत प्रकरण दर्ज

रायगढ़। जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने के लिए कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के सख्त निर्देश पर खनिज विभाग द्वारा लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में विगत एक सप्ताह के भीतर जिला रायगढ़ के खनिज अमले ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए 27 वाहनों को जब्त किया है। इस कार्रवाई से अवैध गतिविधियों में संलिप्त तत्वों में हड़कंप की स्थिति है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अवैध परिवहन के अंतर्गत खनिज रेत के 20 ट्रैक्टर एवं 02 हाईवा, खनिज मिट्टी, मुरूम के 03 ट्रैक्टर तथा खनिज चूनापत्थर के 02 हाईवा को जब्त किया गया है। जब्त किए गए कुल 27 वाहनों

को कलेक्ट्रेट परिसर सहित थाना कोतरा रोड, भूपदेवपुर, पूंजीपथरा एवं पुसौर में सुरक्षार्थ रखा गया है। खनिज विभाग द्वारा संबंधित परिवहनकर्ताओं के विरुद्ध छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 के नियम 71 तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 एवं 23(क) के तहत विधिसम्मत प्रकरण दर्ज किया गया है। विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अवैध उत्खनन एवं परिवहन में लिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उक्त कार्यवाही में खनि निरीक्षक सोमेश्वर सिन्हा सहित जिला खनिज अमला सक्रिय रूप से शामिल रहा। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर पूर्णतः अंकुश लगाने के लिए सतत निगरानी रखी जाए तथा भविष्य में भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रखी जाए। खनिज विभाग ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे अवैध खनिज गतिविधियों की सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा एवं राजस्व की हानि को रोका जा सके।

अनुनय कॉन्वेंट में कराटे का बेल्ट ग्रेडिंग कार्यक्रम संपन्न

सक्ती। कराटे एसोसिएशन ऑफ़ छत्तीसगढ़ के तरफ से 1 मार्च 2026 को शक्ति नगर के प्रतिष्ठित अनुनय कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल शक्ति में बेल्ट ग्रेडिंग की परीक्षा एवं वितरण का कार्यक्रम रखा गया रखा गया. जिसमें अनुनय कॉन्वेंट स्कूल व अन्य स्कूलों के 37 विद्यार्थियों की परीक्षा ली गई तथा उन्हें बेल्ट एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुमित शर्मा, विशिष्ट अतिथि बिलासपुर से सिहान सुशील चंद्रा (कराटे एसोसिएशन आफ छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष) जनपद सदस्य रजनी देवी राठौर, दीपक राठौर, सेंसई विपिन साहू, सेंसई अमन नामदेव एवं जांजगीर से सिहान रामूलाल भैना, सेंसई ममता कश्यप तथा शक्ति से संसई अनुराग जायसवाल वरिष्ठ नागरिक केशव प्रसाद गबेल तथा संस्था प्रमुख योगेश साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। संस्था प्रमुख ने

बताया कि विद्यालय में प्रतिदिन कराटे का प्रशिक्षण दिया जाता है एवं अंत में इस प्रकार की उपाधि बच्चों को प्रदान की जा रही है. मुख्य अतिथि सुमित शर्मा ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थी आतमरक्षा सीखने के साथ-साथ मानसिक रूप से भी मजबूत होते हैं। जिन विद्यार्थियों की परीक्षा ली गई उनमें सौम्या गबेल, रुचि चौधरी, अरविंद बरेठ, शुभम सिदार, नेहा साहू, दक्षेस गबेल, सिद्धांत, दीप्ति देवांगन, अंशु बरेठ, अनिका देवांगन, पाखी देवांगन, चेष्टा भार्गव,धानी महंत, रॉबिंसन तिर्की , शंख जायसवाल ,मानवी पटेल, आदित्य नेताम, किंजल साहू, प्रांजल बरेठ ,शिखा सिदार ,कृति खुटे, पूजा साहू कुमारी लक्ष्मी खरे ,सैयद अब्दुल अहद ,उर्वशी जायसवाल, गरिमा, आयुष जायसवाल, लालिमा, धारा, प्राची चंद्रा, जानवी सिदार, रूपाली, पलक शुभम गबेल, भाग्यश्री, उर्मिला, गायत्री, दुर्गेश्वरी थी, जिनके प्रशिक्षक सेंसई यशु गबेल कराटे एसोसिएशन शक्ति है जिनके मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के बेल्ट व सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। प्रशिक्षक की यशु गबेल को भी संस्था की तरफ से सम्मानित किया गया. कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था से प्राचार्य किरण श्रीवास, मधुलता सोनी, शैलेंद्र डेंसिल , पुष्पेंद्र राठौर का सहयोग रहा

निश्चल बंसल ने की चार्टर्ड अकाउंटेंट परीक्षा में सफलता अर्जित

सक्ती। शहर के बुधवारी बाजार स्थित केएमपी इंटरप्राइजेज के संचालक राजेश बंसल एवं शोभा बंसल के मेधावी सुपुत्र निश्चल बंसल ने 1 मार्च को घोषित चार्टर्ड अकाउंटेंट CA की परीक्षा में सफलता अर्जित कर पूरे शहर को गौरवांवित किया है, निश्चल की सफलता पर अग्रवाल सभा सहित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक संगठनों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी है, तो वहीं निश्चल बंसल ने भी अपनी इस सफलता का श्रेय अपने परिवार जनों को दिया है,तथा सीए बनने पर निश्चल ने

कहा है कि वे देश की आर्थिक मजबूती में अपना योगदान देना चाहते है, उल्लेखित हो कि निश्चल बंसल प्रारंभ से ही मेधावी रहे हैं तथा वे अपनी प्रारंभिक शिक्षा के दौरान भी सभी कक्षाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर हमेशा मेरिट लिस्ट में अपना स्थान बनाते थे, तथा उनके पिता राजेश बंसल शहर की प्रतिष्ठित फर्म केदारनाथ महादेव प्रसाद के सदस्य है।

उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन के निवास पर कल होली स्नेह मिलन समारोह की रहेगी धूम

कोरबा। नगर विधायक और कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन के चारपारा

कोहड़िया स्थित निवास में 4 मार्च की सुबह 9:30 बजे से 12 बजे तक होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन रखा गया है। प्रति वर्ष की भांति मंत्री देवांगन के निवास पर होली मिलन समारोह में अधिक संख्या में कार्यकर्ता और आम जन मानस शामिल होंगे। मंत्री देवांगन ने सभी सम्मानीय लोगों एवं कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों को होली मिलन समारोह में शामिल होने का आग्रह किया है।

शहर में लगातार गिर रहा वाटर लेवल, पालिका अध्यक्ष ने गठित की पांच सदस्यीय पार्षदों की टीम

सक्ती। फरवरी महीने में ही शक्ति शहर में भूजल स्तर (वाटर लेवल) लगातार नीचे जाने से शहर में पानी की समस्या उत्पन्न होने लगी है, तथा नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल के प्रयासों से जहां सतत शहर के पानी के बोर एवं वाटर सप्लाई को मेंटेन किया जा रहा है, किंतु इसके बावजूद वाटर लेवल डाउन होने के चलते पानी के स्रोत ही जवाब देने लगे हैं, किंतु इसके बावजूद नगर पालिका शक्ति के अध्यक्ष श्यामसुंदर अग्रवाल एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के प्रयासों से जिला प्रशासन एवं जल संसाधन विभाग से समन्वय बनाकर मिनीमाता हरदेव बांगो की नहरो के माध्यम से पानी छोड़ने का कार्य किया गया है, तथा नगर पालिका अध्यक्ष श्यामसुंदर अग्रवाल ने नहरो के पानी से शहर के सभी प्रमुख तालाबों को जो की नहरो के पानी से भरा जा सकता है, इसके लिए पांच सदस्यीय पार्षदों की एक समिति का

गठन किया है, तथा नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा है कि यह पांच सदस्यीय समिति तालाबों में पानी भरने के लिए सारे संसाधन जुटाने का काम करेगी एवं नगर पालिका के सभी अधिकारी, कर्मचारी इस कार्य में सहयोग करेंगे तथा इस समिति को स्वतंत्र किया गया है, एवं इस कार्य में जो भी व्यय होगा उसका तत्काल भुगतान हमारे द्वारा किया जाएगा। एवं इस पांच सदस्यीय समिति में वार्ड क्रमांक-2 के पार्षद राम सजीवन देवांगन, वार्ड क्रमांक- 3 के पार्षद लालू प्रधान, वार्ड क्रमांक- 10 के पार्षद गुलाब देवांगन, वार्ड क्रमांक- 11 की पार्षद उर्मिला संजय कश्यप, वार्ड क्रमांक- 16 के पार्षद संतोष सोनी लाला शामिल है, नगर पालिका अध्यक्ष श्यामसुंदर अग्रवाल ने शहर की जनता से अपील की है कि शहर में वाटर लेवल डाउन होने की स्थिति को देखते हुए पानी का हम सदुपयोग करें एवं सार्वजनिक नलों से किसी भी प्रकार का पानी व्यर्थ ना हो, यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है, एवं एक-एक बूंद पानी बचाकर हम ग्रीष्म ऋतु में भी शहर में किसी भी प्रकार की पानी की समस्या ना हो इसे आसानी से निपटेंगे तथा अपने-अपने घरों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग का सिस्टम जरूर लगाए, ताकि बरसात का पानी रिचार्ज हो एवं हमें बारहों महीने नियमित रूप से पानी उपलब्ध हो सके।

खिलावन साहू के प्रयासों से नगरदा में मिली लाखों रुपए की सीसी रोड निर्माण की स्वीकृति

सक्ती। सक्ती विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत नगरदा में मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना के तहत स्वीकृत दो सीसी रोड निर्माण कार्यों (कुल लागत 7.80 लाख) का विधिवत भूमिपूजन सक्ती विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक डॉ. खिलावन साहू के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत के सरपंच बॉम्बे लाल यादव ने की।पूर्व विधायक डॉ. खिलावन साहू की अनुशंसा से योजना अंतर्गत चौहान मोहल्ला में सीसी रोड निर्माण एवं खलबोरवा तालाब से किसान सागर की ओर सीसी रोड निर्माण कार्य को स्वीकृति प्राप्त हुई है। भूमि पुजन कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए डॉ. साहू ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सुदृढ़ अधोसंरचना विकास छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की प्राथमिकता है। सड़क निर्माण से आवागमन सुगम होगा तथा किसानों

और ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा।इस अवसर पर उप सरपंच लता विजेंद्र कंवर, युवा मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष गोपाल जयसवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता सुफल राम बरेठ, दिलचंद कंवर, नंदन जयसवाल, श्याम चौहान, पंचगण सिया राम साहू, धरम सिंह कंवर, विजय कंवर, राम कुमार कंवर, किशन कंवर, भगदन केवट, संतोषी चौहान सहित उज्जैन साहू, राधा मोहन केवट, रामायण केवट, छोटू चौहान एवं अन्य ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, कार्यक्रम का समापन विधिवत पूजा-अर्चना एवं नारियल फोड़कर किया गया। ग्रामीणों ने इस महत्वपूर्ण विकास कार्य के लिए आभार व्यक्त किया।

बजट से समुचित विकास सुनिश्चित होने के साथ ही प्रदेश की आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी : संतोष पाण्डेय

भाटापारा । भाजपा कार्यालय भाटापारा में वर्ष 2026-27 प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को लेकर प्रेसवार्ता आयोजित की गई..छत्तीसगढ़ विधानसभा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने डबल इंजन भाजपा सरकार के तीसरे कार्यकाल का बजट रखा। इस वर्ष बजट का मूल उद्देश्य संकल्प यानी-समावेशीविकास,-अधोसंरचना, निवेश, कुशल मानव संसाधन,-अंत्योदय, लाइवलीहुड और पॉलिसी से परिणाम तक रहा। उक्त बाते प्रेसवार्ता को सम्बोधित कर राजनांदगांव सांसद संतोष पाण्डेय ने कही... संतोष पाण्डेय ने कहा की अपने उद्देश्य के अनुरूप इस बजट में महिला, युवा, किसान, मध्यमवर्ग के हितों के साथ ही प्रदेश की आर्थिक प्रगति, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि जैसे क्षेत्रों के भी विकास की झलक देखने को मिली। खासकर बस्तर एवं सरगुजा और

आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों निवासरत परिवारों और वहां पर्यटन के विस्तार से लेकर स्थानीय निवासियों के सशक्तिकरण के लिए भी बजट में विशेष प्रावधान किये गए। संतोष पाण्डेय ने आगे कहा की बजट में कई प्रमुख प्रावधान, योजनाएं एवं निर्णय 2026-27 के बजट में लिए गए हैं जिनसे प्रदेश के हर व्यक्ति, वर्ग एवं क्षेत्र का समुचित विकास सुनिश्चित होने के साथ ही प्रदेश की आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा ने भी प्रेसवार्ता को सम्बोधित कर कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास और जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के साथ ही विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प को गति देने हेतु यह बजट प्रदेश के सर्वांगीण विकास, जनकल्याण और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने वाला दूरदर्शी एवं जनहितैषी बजट है। यह बजट प्रदेश की 3 करोड़ जनता की आकांक्षाओं और सपनों का प्रतिबिंब है। इस बजट में कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए विशेष प्रावधान कर अन्नदाता को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का कार्य किया गया है। साथ ही अधोसंरचना, सड़कों, सिंचाई, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक निवेश कर विकास की गति को और तेज करने का संकल्प लिया गया है। शिवरतन शर्मा ने कहा की युवा शक्ति को रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने, उद्योगों को प्रोत्साहन देने तथा स्टार्टअप एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए भी अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं का विस्तार किया गया है। यह बजट सामाजिक न्याय, सुशासन और पारदर्शिता के सिद्धांतों पर आधारित है। प्रदेश के दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों तक विकास की रोशनी पहुँचाने का स्पष्ट विज़न इस बजट में दिखाई देता है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट समृद्ध किसान, सशक्त युवा, सुरक्षित महिला और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष आनंद यादव,अनु.जाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष डॉ.सनम जांगड़े, भाजपा नेता राकेश तिवारी, महामंत्री कृष्णा अवस्थी , नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, जिला उपाध्यक्ष सुनील यदु, प्रदेश मंत्री पि.मोर्चा आशीष जायसवाल, जिला अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा महाबल बघेल, कोषाध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष योगेश अनंत, ग्रामीण अध्यक्ष पवन वर्मा, महामंत्री उमाशंकर वर्मा, नगर पालिका उपाध्यक्ष दिलीप छाबड़िया, पार्षद सतीश साहू सहित प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मिडिया के पत्रकारगण उपस्थित रहे..

दो नाबालिग बालिकाएं सकुशल बरामद, आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के मार्गदर्शन में जिले में चलाए जा रहे -ऑपरेशन मुस्कान- के तहत थाना छाल पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। 21 फरवरी को जोबी क्षेत्र की दो नाबालिग बालिकाओं (उम्र 14 एवं 15 वर्ष) के 18 फरवरी से लापता होने की रिपोर्ट थाना छाल में दर्ज कराई गई थी। प्रकरण में धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत पृथक-पृथक अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। दो नाबालिक लड़कियों के अचानक लापता होने की घटना को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी शशि मोहन सिंह द्वारा एसडीओपी खरसिया प्रभात पटेल के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक त्रिनाथ त्रिपाठी के नेतृत्व में टीम गठित कर परिजनों, सहेलियों से पूछताछ एवं सीसीटीवी फुटेज का परीक्षण किया गया। जांच में

राजमिस्त्री का कार्य करने वाले संदेही सीताराम सारथी के साथ बालिकाओं को अंतिम बार देखे जाने की जानकारी मिली। संदेही और गुम बालिकाओं की पतासाजी की जा रही थी कि उन्हें घरघोड़ा क्षेत्र के सन स्टील प्लांट, टेंडा नवापारा में देखे जाने की सूचना पर दबिश देकर दोनों नाबालिग बालिकाओं को सकुशल दस्तयाब किया गया। बालिकाओं ने बताया कि आरोपी पहले उनके गांव में काम करने आया था और उसने काम दिलाने एवं अच्छे से रखने का विश्वास दिलाकर उन्हें अपने अनूपपुर एमपी साथ ले गया था। प्रकरण में धारा 18 सहित पॉक्सो एक्ट की धाराएं जोड़ते हुए आरोपी सीताराम सारथी (उम्र 35 वर्ष), निवासी पुलिस चौकी जोबी क्षेत्र को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

संक्षिप्त समाचार

दो किलों से अधिक गांजा के साथ पकड़ाया विक्रेता

रायपुर। उत्तर बस्तर कांकेर जिले के पखांजूर में पुलिस ने अवैध गांजा सप्लाई व बिक्री करने वालेआरोपी को गिरफ्तार किया है और उसके पास से 2.368 किलोग्राम गांजा तथा बिक्री रकम 1800 रुपये जब्त किया है। बता दें कि निखिल राखेचा (भापुसे) पुलिस अधीक्षक कांकेर की पहल पर संपूर्ण जिले में नशे के खिलाफ विशेश अभियान ऑपरेशन उजियारा प्रारंभ किया गया है। राकेश कुर्रे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पखांजूर के मार्गदर्शन में रवि कुजूर एसडीओपी पखांजूर के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी पखांजूर निरीक्षक लक्ष्मण केवट के नेतृत्व में ऑपरेशन उजियारा अभियान के तहत अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध पखांजूर क्षेत्र लगातार सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 28.02.2026 को पखांजूर पुलिस को मुखबीर सूचना मिला कि एक व्यक्ति काले रंग के मोटर सायकल बजाज पल्सर क्रमांक सीजी 19 बीआर 2953 के डिक्की में अवैध मादक पदार्थ गांजा रखकर परिवहन करते महाराष्ट्र से पखांजूर होते कापसी की ओर आने वाला है, सटीक मुखबीर से मिली सूचना को वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर तत्काल एएसआई वेदन सलामे के हमराह पुलिस स्टाफ कार्यवाही हेतु ग्राम माटोली चौक मेनरोड पखांजूर की घेराबंदी कर 01 व्यक्ति अभय दास पिता जदु दास उम्र 33 वर्ष ग्राम छोटेकापसी छोटेपारा थाना पखांजूर को पकड़कर बजाज पल्सर मोटर सायकल नम्बर सीजी 19 बीआर 2953 की डिक्की को चेक करने पर एक प्लास्टिक के पारदर्शी झिल्ली के अंदर भरा हुआ मादक पदार्थ गांजा कुल वजन 2.368 किलोग्राम कीमति 1,15,900 रूपये व गांजा बिक्री रकम 1800 रूपये को जप्त कर आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा- 20(बी) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। कांकेर पुलिस ने आमजनों से अपील की है कि अपराध पर नियंत्रण पुलिस और जनता की साझा जिम्मेदारी है। कई बार एक छोटी सी सूचना बड़े अपराधों को रोक सकती है। इसी उद्देश्य से जिला उत्तर बस्तर कांकेर पुलिस द्वारा किसी भी संदिग्ध या अपराधिक गतिविधियों की जानकारी देने के लिए अपराधिक हेल्पलाईन नंबर 94791-55125 संचालित की जा रही है। दी गई हर सूचना एवं सूचनकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाती है।

सूने मकान पर चोरों की नजर सीसीटीवी ही उड़ा ले गए फुटेज ने ही पहुंचाया सलाखों के पीछे

रायपुर। जिले के पलारी थाना क्षेत्र में चोरों की एक अनोखी करतूत सामने आई है, जहां सूने मकान को निशाना बनाने के बाद आरोपियों ने घर के सामने लगे सीसीटीवी कैमरे ही पार कर दिए। लेकिन विडंबना देखिए, जिन कैमरों को चोरी कर अपनी पहचान मिटाने की कोशिश की गई, उन्हीं की फुटेज ने दोनों को जेल की राह दिखा दी। मामला ग्राम कानाकोट का है। प्रार्थिया कलाबाई डहरिया कुछ दिनों के लिए अपने परिवार के साथ ग्राम रसौटा गई हुई थीं। 12 फरवरी 2026 से 16 फरवरी 2026 के बीच उनका मकान सूना था। जब वह 16 फरवरी को वापस लौटीं तो देखा कि घर के सामने लगे लगभग 3 हजार रुपये कीमत के दो सीसीटीवी कैमरे गायब थे। किसी अज्ञात चोर ने मौका पाकर कैमरे ही चोरी कर लिए थे। पीड़िता की रिपोर्ट पर थाना पलारी में अपराध क्रमांक 90/2026 धारा 303(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के निर्देशन में पलारी पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आसपास के सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय इनपुट के आधार पर संदिग्धों की पहचान की। जांच के दौरान पुलिस ने ग्राम कानाकोट निवासी 20 वर्षीय सूरज मारकंडे और 50 वर्षीय जेठूराम भारती को हिरासत में लिया। कड़ी पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि उन्होंने मकान को सूना पाकर घर के सामने लगे सीसीटीवी कैमरे चोरी किए थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को 02 मार्च 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया जारी है।

स्मृति पुस्तकालय योजना को मिल रहा जनसमर्थन, अब तक 8000 से अधिक पुस्तकें की गई दान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जिले में संचालित स्मृति पुस्तकालय योजना के तहत ज्ञान दान की दिशा में जनसहभागिता लगातार बढ़ रही है। इसी क्रम में पीएससी एकेडमी रायपुर के संचालक राकेश साव ने प्रचीन छत्तीसगढ़ का इतिहास, मध्यकालीन छत्तीसगढ़ का इतिहास, भारत का संविधान, सीजीपीएससी प्रैक्टिस पेपर से संबंधित 50 पुस्तकें जिला प्रशासन को दान की। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने उनके इस सराहनीय योगदान की प्रशंसा करते हुए प्रमाण पत्र एवं प्रेरक पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास से जरूरतमंद एवं प्रतिभावान अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा। उल्लेखनीय है कि इस योजना के अंतर्गत अब तक 8000 से अधिक पुस्तकें एवं इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स दान की जा चुकी हैं। जिनका लाभ जिले के अनेक विद्यार्थियों को मिल रहा है। यह अभियान केवल पुस्तक दान तक सीमित नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों को संवारने और उनके भविष्य निर्माण का संकल्प है। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे भी इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें। पुस्तक अथवा इलेक्ट्रॉनिक गैजेट दान करने हेतु इच्छुक नागरिक फोन के माध्यम से प्रभात सक्सेना 94060 49000 एवं केदार पटेल 94255 02970 पर संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिश्वरंजन एवं जिला रोजगार अधिकारी केदार पटेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राजधानी में वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश,10 बाइक-स्कूटी बरामद, दो गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी में लगातार बढ़ रही दोपहिया वाहन चोरी की वारदातों पर आखिरकार बड़ा ब्रेक लग गया है। रायपुर कमिश्नरेट की क्राइम एवं साइबर टीम ने दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 चोरी की मोटरसाइकिल और स्कूटी बरामद की है। जब्त वाहनों की कुल कीमत करीब 5 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस उपायुक (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला की मॉनिटरिंग में एण्टी क्राइम एंड साइबर यूनिट की विशेष टीम गठित कर वाहन चोरों की धरपकड़ तेज की गई थी। टीम ने घटना स्थलों के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले, मुखबिरों को सक्रिय किया और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर संदिग्धों पर नजर रखी। इसी दौरान पंडरी क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर रही टीम ने एक्टिवा सवार दो युवकों को संदिग्ध अवस्था में रोका।

कनबेरी में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न

21.35 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों की रखी गई आधारशिला

- पीएम जनमन योजना से कोरबा जिले के दूरस्थ अंचलों में विकास और समृद्धि की नई दिशा: उद्योग मंत्री लखनलाल

रायपुर/ संवाददाता

वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने आज कोरबा जिले के विकास को नई गति देने के उद्देश्य से 21 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। ग्राम कनबेरी में श्री अग्रसेन गौसेवा समिति के पास आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कटघोरा विधायक श्री प्रेमचंद पटेल ने की। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री जनमन योजना से न केवल सड़क कनेक्टिविटी बढ़ी है, बल्कि दूरस्थ जनजातीय समुदायों के सामाजिक विकास, आर्थिक भागीदारी और जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार दर्ज हुआ है। यह पहल पीवीटीजी समुदायों के सशक्तिकरण की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज ग्राम में मुख्यमंत्री गौरव पथ का निर्माण कार्य प्रारंभ होने जा रहा है। इन सभी कार्यों से दूरस्थ क्षेत्र के आवागमन को अभूतपूर्व गति मिलेगी। सड़कों और पुल-पुलियों के निर्माण से वर्षा ऋतु में ग्रामीण अंचल का किसी भी प्रकार का संपर्क बाधित नहीं होगा। मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सभी वर्गों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रभावी योजनाएँ बनाते हैं, ताकि प्रत्येक हितग्राही तक अधिकतम लाभ पहुँच सके। यही कारण है कि आज प्रत्येक योजना का लाभ पात्र लोगों तक निर्बाध रूप से पहुँच रहा है। कटघोरा विधायक श्री प्रेमचंद पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि राज्य सरकार समग्र और समान विकास की नीति पर कार्य कर रही है, जिसके परिणामस्वरूप

प्रत्येक क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से अब कोई भी क्षेत्र विकास से वंचित नहीं रहेगा। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री जनमन योजना और मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना के अंतर्गत कुल 21.35 करोड़ रुपये की स्वीकृत राशि से आठ वृहद पुलों तथा सड़क निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी गई। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत 20.92 करोड़ रुपये की लागत से कई महत्वपूर्ण पुलों का निर्माण शामिल है। ये पुल रामपुर विधानसभा के कोरबा विकासखण्ड के लेमरू-देवपहरी मार्ग, डोकरमना मेन रोड, बगबुड़ा रोड, बताती-बांसाखार मार्ग और पतरापाली-धानकछार मार्ग पर स्थित गौमुखी, चिंगराडांड, गड़गड़ा, कोटगसरा और पैसारी नाला जैसे स्थलों पर निर्मित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त पाली- तानाखार विधानसभा के पोड़ी-उपरोड़ा विकासखण्ड में कटघोरा-अंबिकापुर मार्ग से बहरीझरिया मार्ग के कोठीझुंझा नाला पर 278.72 लाख रुपये की लागत से एक वृहद पुल के निर्माण की स्वीकृति भी प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना के अंतर्गत कटघोरा विकासखण्ड में पंचराम घर से हीरालाल घर तक 500 मीटर लंबी सीसी सड़क और नाली निर्माण का कार्य किया जाएगा, जिसकी स्वीकृत राशि 42.95 लाख रुपये निर्धारित है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने पर जिले के वनांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन और अधिक सुगम होगा तथा विशेष रूप से वर्षा ऋतु में आने वाली संपर्क संबंधी समस्याओं का स्थायी समाधान होगा। कार्यक्रम में कोरबा महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, जिला पंचायत सदस्य श्री विनोद यादव, जनपद सदस्य श्री अमृत लाल कंवर, सरपंच श्री शत्रुघन सिंह, पार्षद श्री नरेंद्र देवांगन, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष श्री राजेंद्र अग्रवाल, श्री अग्रसेन गौसेवा समिति कोरबा के अध्यक्ष श्री जयंत अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

असम में तीसरी बार उम्मीदों और आशाओं का कमल खिलेगा,क्योंकि विकास का कोई विकल्प नहीं-साव

रायपुर/ संवाददाता

असम विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत सुनिश्चित कर विकास का कमल खिलाने के लिए जनता ने मन बना लिया है। डबल इंजन सरकार ने जनता की सभी उम्मीदों पर खरा उतरा है। इसलिए तीसरी बार फिर से उम्मीदों और आशाओं का कमल खिलने जा रहा है। चुनावी मैदान में कांग्रेस कहीं नगर नहीं आ रही है। वहीं उनके नेताओं में घोर निराशा और बिखराव की स्थिति है। जो खुद का पार्टी नहीं संभाल पा रही, वह क्या विकास करेगी। यह बात उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने असम प्रवास में लखीमपुर विधानसभा क्षेत्रों के दौरे के दौरान कही। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनज़र 25 फरवरी से चार दिवसीय असम प्रवास पर गए हैं। वे कल असम प्रवास पूरा कर रायपुर वापस लौटेंगे। प्रवास के दौरान उन्होंने प्रभार लोकसभा लखीमपुर के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के साथ-साथ गुवाहाटी में आयोजित संगठनात्मक बैठकों में शामिल हुए। असम भाजपा प्रदेश कार्यालय की बैठक में उन्होंने डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। श्री साव रविवार (1 मार्च) को धेमाजी, मसकुआ (सिसिबोरगांव विधानसभा) एवं जोनाई विधानसभा के पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्ष, विस्तारक के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने शनिवार को जिला मुख्यालय तिनसुकिया में जिला एवं विधानसभा स्तर के पदाधिकारियों

संग चुनावी रणनीति, जनसंपर्क अभियान पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने डूमडूमा और सदिया में आयोजित बैठकों में तैयारियों की समीक्षा करते हुए बूथ प्रबंधन को प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया। साथ ही लखीमपुर और विधानसभा क्षेत्र नोबोइचा में भी जिला और विधानसभा स्तर के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी चुनाव के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। बता दें कि भाजपा केंद्रीय नेतृत्व द्वारा उन्हें लखीमपुर लोकसभा क्षेत्र की 9 विधानसभा सीटों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने भाजपा पदाधिकारियों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं ने राज्य के विकास को नई गति प्रदान की है। वहीं मुख्यमंत्री मंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में असम सरकार ने आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, महिला सशक्तिकरण और निवेश के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। डबल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों से असम निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। श्री साव ने सभी पदाधिकारियों को आगामी विधानसभा चुनाव में जनता से खुशहाल असम एवं विकसित असम के लिए बीजेपी को अपना वोट देने के लिए आग्रह करने संकल्पित किया।

उन्नत तकनीकी विधि से गेहूं उत्पादन में वृद्धि

- उन्नत तकनीकी विधि से गेहू उत्पादन में वृद्धि कम लागत में अधिक मुनाफा
- यह प्रयास कृषि क्षेत्र में आयवृद्धि और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप कृषि क्षेत्र में उन्नत तकनीकों के विस्तार हेतु कृषि एवं उद्यान विभाग द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे हैं। किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित करने की दिशा में विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों के माध्यम से कृषकों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करते हुए उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की पहल की जा रही है। जशपुर जिले के फरसाबहार विकासखण्ड के ग्राम बोखी के 60 वर्षीय कृषक श्री गणेश राम यादव इस प्रयास के प्रेरक उदाहरण हैं। वे पूर्व में परंपरागत देशी विधि से खेती करते थे, जिससे प्रति एकड़ लगभग 4 से 5 हजार रुपये की शुद्ध आय प्राप्त होती थी। चालू वर्ष में उन्होंने एसएमएसपी योजना अंतर्गत उन्नत तकनीकी विधि से गेहूं की किस्म जीडब्ल्यू-322 का उत्पादन किया। आधुनिक पद्धति अपनाने से उन्हें प्रति एकड़ 7 क्विंटल उपज प्राप्त हुई तथा शुद्ध आय बढ़कर 16 हजार रुपये तक पहुंच गई। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, क्षेत्र फरसाबहार, श्रीमती शशिप्रभा भोय द्वारा किसानों को उन्नत तकनीक से खेती हेतु प्रेरित करते हुए गुणवत्तापूर्ण गेहूं बीज उपलब्ध कराए गए। फसल प्रदर्शन के सकारात्मक परिणामों को देखते हुए क्षेत्र के अन्य कृषक भी आगामी वर्ष में उन्नत तकनीकी विधि अपनाने के लिए प्रोत्साहित हो रहे हैं। श्री गणेश राम यादव ने बताया कि वे आगामी वर्ष में गेहूं की खेती अधिक रकबे में आधुनिक तकनीक से करेंगे तथा अन्य किसानों को भी इस पद्धति को अपनाने हेतु प्रेरित करेंगे। यह प्रयास कृषि क्षेत्र में आयवृद्धि और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है।

आर्द्रभूमियों को पक्षी अवलोकन केंद्र के रूप में विकसित करने की पहल..

- जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन द्वारा पांच ग्राम पंचायतों का निरिक्षण किया गया

रायपुर/ संवाददाता

कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के निर्देशानुसार जिले के धरसीवां विकासखंड अंतर्गत चयनित पांच ग्राम पंचायतों की आर्द्रभूमि स्थलों का जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कुमार बिश्वरंजन के नेतृत्व में 1 मार्च को एक संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण किया गया । इस दौरान स्थानीय पक्षी विशेषज्ञों की उपस्थिति में माँढर, गोढी, अकोली, बरबांदा एवं टोर ग्राम पंचायतों के आर्द्रभूमि क्षेत्रों का भ्रमण किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य इन आर्द्रभूमि स्थलों का संरक्षण सुनिश्चित करते हुए स्थानीय ग्राम पंचायतों, स्व-सहायता समूहों एवं युवा समूहों की सहभागिता से इन्हें पक्षी अवलोकन केंद्र (बर्ड वॉचिंग सेंटर) के रूप में विकसित करना है। निरीक्षण के दौरान संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच, स्व-सहायता समूह के सदस्य, पंचायत सचिव एवं तकनीकी सहायक भी उपस्थित रहे। भ्रमण के दौरान विशेषज्ञों एवं अधिकारियों द्वारा आर्द्रभूमि संरक्षण के महत्व, स्थानीय जैव विविधता के संरक्षण तथा इन स्थलों को पर्यावरणीय एवं पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा की गई। आगामी कार्ययोजना के तहत सीईओ धरसींवां श्री आशीष केशरवानी के साथ पक्षी विशेषज्ञों की बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें संरक्षण एवं विकास से संबंधित विस्तृत रणनीति तैयार की जाएगी। इसके साथ ही चयनित सभी ग्राम पंचायतों में आर्द्रभूमि संरक्षण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश एवं नियम भी निर्धारित किए जाएंगे। इस पहल से क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर जागरूकता बढ़ेगी।

बिलासपुर में दर्दनाक हादसा :तालाब में नहाते समय दो युवकों की डूबने से मौत

रायपुर। बिलासपुर के सरकंडा थाना क्षेत्र स्थित खमतराई के अमहा तालाब में शाम एक दुखद हादसे में दो युवकों की डूबने से मौत हो गई। दोनों युवक अपने दोस्तों के साथ तालाब घूमने गए थे, जहां यह हादसा हो गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बंधवापारा निवासी हिमांशु चंहादे (21) और देवरी खुर्द निवासी शिवम मानिकपुरी (21) अपने पांच अन्य दोस्तों के साथ तालाब के पास पहुंचे थे। वहां सभी ने शराब का सेवन किया। बताया जा रहा है कि इसी दौरान एक युवक बाइक सहित तालाब में गिर गया था, हालांकि वह सुरक्षित बाहर निकल आया। इसके बाद युवक दोबारा शराब पीकर तालाब में नहाने उतर गए। नहाते समय तीन युवक गहरे पानी में चले गए।

मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से घर के समीप जांच एवं उपचार सुविधा

पीएम जनमन योजना से पीवीटीजी बस्तियों तक पहुंच रही स्वास्थ्य सेवाएं

- जिले में विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चार मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित की जा रही हैं

रायपुर/ संवाददाता

दूरस्थ वनांचल और दुर्गम पहाड़ी इलाकों में बसे विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच लंबे समय से एक बड़ी चुनौती रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जनमन) के अंतर्गत संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट से बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। जिले में विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चार मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित की जा रही हैं। इन यूनिटों के माध्यम से विकासखण्ड बलरामपुर, राजपुर, कुसमी और शंकरगढ़ के सुदूर पहाड़ी कोरवा बाहुल्य क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं सीधे गांव और बसाहटों तक पहुंचाई जा रही हैं। अब ग्रामीणों को प्राथमिक उपचार के लिए कई किलोमीटर दूर स्वास्थ्य केंद्रों की ओर नहीं जाना पड़ता, बल्कि स्वास्थ्य सेवाएं स्वयं उनके घर के समीप पहुंच रही हैं। मोबाइल मेडिकल यूनिट में चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ लैब टेक्नीशियन तथा आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। साथ ही सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ रक्तचाप, शुगर, हीमोग्लोबिन जैसे आवश्यक लैब टेस्ट किए जाते हैं। जरूरत पड़ने पर मरीजों को आगे के उपचार के लिए उच्च स्वास्थ्य केंद्रों में रेफर भी किया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण तथा बुजुर्गों की देखभाल पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक 235 बसाहटों में 87 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इन शिविरों में कुल 3,678 हितग्राहियों को स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित किया गया है। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ रही है। पहले जहां ग्रामीण सामान्य बुखार या संक्रमण को नजरअंदाज कर देते थे या बैगा गुनिया का सहारा लेते थे, लेकिन अब वे नियमित जांच और परामर्श के महत्व को समझने लगे हैं। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ने से विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। गौरतलब है कि जिले में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशन तथा जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में मोबाइल मेडिकल यूनिट का सुव्यवस्थित संचालन किया जा रहा है। नियमित मॉनिटरिंग, तय रूट चार्ट और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से बसाहटों में स्वास्थ्य सेवायें सुनिश्चित की जा रही है। पीएम जनमन के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार निश्चित ही विशेष पिछड़ी जनजातियों के जीवन स्तर में दीर्घकालिक सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में सशक्त प्रयास सिद्ध हो रहा है।

संपादकीय

80 लाख आपत्तियां, वोटर लिस्ट की बड़ी परीक्षा

लोकतंत्र में चुनाव की शुचिता का मूल आधार पारदर्शिता और निष्पक्षता पर टिका होता है। पात्र मतदाता ही चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा बनें, यह सुनिश्चित करने के लिए मतदाता सूची में समय-समय पर संशोधन जरूरी होता है।इसी उद्देश्य से निर्वाचन आयोग ने देश के विभिन्न राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की है, मगर इसमें कई तरह की आशंकाएं और चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। खासकर पश्चिम बंगाल में पुनरीक्षण को लेकर कई मौकों पर निर्वाचन आयोग और राज्य सरकार को आमने-सामने देखा गया है। सवाल और आरोप यही हैं कि राज्य में इस प्रक्रिया का राजनीतिकरण किया जा रहा है।पहले नागरिकता प्रमाण पत्रों को लेकर विवाद उठा, फिर बूथ स्तरीय अधिकारियों पर काम के बोझ का मुद्दा सुर्खियों में आया और अब तार्किक विसंगतियों से संबंधित दावों और आपत्तियों के पारदर्शी तरीके से समय पर निपटारे का मसला सामने आया है।सर्वोच्च न्यायालय ने पिछले सप्ताह इस कार्य में सहायता के लिए सेवारत और पूर्व जिला न्यायाधीशों को तैनात करने का निर्देश दिया था और अब राज्य के दीवानी न्यायाधीशों की तैनाती तथा पड़ोसी राज्यों झारखंड और ओड़ीशा से न्यायिक अधिकारियों को बुलाने की अनुमति भी दे दी है।गौरतलब है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरुआत बिहार से हुई थी और तब से लेकर यह प्रक्रिया विवादों में है। शुरु में चुनाव आयोग की ओर से आधार कार्ड को पहचान पत्र के दस्तावेज में शामिल नहीं करने का मुद्दा प्रमुखता से उठा था, मगर बाद में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर इसे पहचान के दस्तावेज में शामिल कर लिया गया।मगर पश्चिम बंगाल में आधार कार्ड को लेकर चुनाव आयोग की आशंकाएं अभी भी बरकरार हैं। शीर्ष अदालत में मंगलवार को आयोग की तरफ से दलील दी गई कि देश भर में फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर हो रहा है और बंगाल में ऐसे मामलों की संख्या सर्वाधिक है। इस पर अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में गहन जांच की आवश्यकता हो सकती है, लेकिन यह समय इसके लिए उपयुक्त नहीं है। साथ ही कहा कि चूंकि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम में संशोधन से आधार को पहचान प्रमाण के रूप में शामिल किया गया था, इसलिए इसे स्वीकार करना होगा।दरअसल, पश्चिम बंगाल सरकार का दावा था कि पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत राज्य में तार्किक विसंगतियों को लेकर बड़ी संख्या में लोगों को नोटिस भेजे गए हैं और अब करीब अस्सी लाख दावों और आपत्तियों का निपटारा किया जाना है, जिसमें निष्पक्षता बेहद जरूरी है।इसी के मद्देनजर सर्वोच्च अदालत ने इस कार्य में मदद के लिए सेवारत और पूर्व जिला न्यायाधीशों को तैनात करने का निर्देश दिया है।

लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। भारतीय लोकतंत्र की विडंबना यह है कि चुनाव आते ही जनसेवा का स्वरूप बदलकर जनलुभावन राजनीति में परिवर्तित हो जाता है। राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनावी सफलता का शॉर्टकट बना लिया है। मतदाताओं को तात्कालिक आर्थिक लाभ देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति लगातार मजबूत हो रही है। आगामी तीन-चार माह में विधानसभा चुनाव होने है, इसी संदर्भ में जब असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हुईं, तब इस संस्कृति का प्रभाव और स्पष्ट दिखाई देने लगा।

मुफ्त रेवड़ी संस्कृति जीवंत लोकतंत्र के लिये घातक

(ललित गर्ग)

इसी पृष्ठभूमि में देश की शीर्ष अदालत, सर्वोच्च न्यायालय, ने मुफ्त की योजनाओं के अनियंत्रित विस्तार पर गंभीर टिप्पणी की। यह टिप्पणी केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को लेकर एक चेतावनी है।लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान है। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं। जब राजस्व घाटे से जूझ रहे राज्य मुफ्त बिजली, मुफ्त यात्रा या नकद वितरण की घोषणाएं करते हैं, तो प्रश्न उठता है कि यह संसाधन कहां से आएंगे और इसकी कीमत कौन चुकाएगा? राजकोषीय अनुशासन किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत का आधार है। यदि राज्य अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए खजाने को खाली करता है, तो दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। जो धन बुनियादी ढांचे के निर्माण, अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार और रोजगार सृजन में लगना चाहिए, वह वोटों की फसल काटने में खर्च हो जाता है। यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है। लोकतंत्र में मतदाता की स्वतंत्रता सर्वोपरि मानी जाती है। यदि मतदाता को परोक्ष रूप से आर्थिक प्रलोभन देकर प्रभावित किया जाता है, तो यह स्वतंत्र निर्णय की भावना को कमजोर करता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने तार्किक प्रश्न उठाया कि राज्य रोजगार सृजन और कौशल विकास पर अधिक ध्यान क्यों नहीं देते? वास्तव में रोजगार ही स्थायी सशक्तीकरण का माध्यम है। जब व्यक्ति अपने श्रम और कौशल से आय अर्जित करता है, तब उसमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दोनों विकसित होते हैं। इसके विपरीत, निरंतर मुफ्त सुविधाएं व्यक्ति को निर्भर बनाती हैं। धीरे-धीरे परिश्रम की संस्कृति कमजोर पड़ती है और समाज में अकर्मण्यता की मानसिकता पनपने लगती है। यह स्थिति लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिए खतरनाक है, क्योंकि लोकतंत्र केवल वोट डालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सक्रिय और जिम्मेदार नागरिकता का नाम है। चुनाव पूर्व घोषित योजनाओं की निष्पक्षता भी प्रश्नों के घेरे में है। जब आचार संहिता लागू रहने के दौरान बड़े पैमाने पर आर्थिक वितरण होता है, तो विपक्षी दल इसे असमान प्रतिस्पर्धा मानते हैं। ऐसे

मामलों में निष्पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी भारत का निर्वाचन आयोग पर आती है। निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी दल मतदाताओं को अप्रत्यक्ष रिश्वत देकर चुनावी लाभ न ले। आचार संहिता का उल्लंघन केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा का हनन है। यदि इस पर कठोर कार्रवाई नहीं होती, तो भविष्य में यह प्रवृत्ति और गहरी जड़ें जमा सकती है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीर्घकालिक व स्थायी लाभ मिल सकें।

यह भी समझना होगा कि मुफ्त योजनाओं का हर स्वरूप गलत नहीं है। आपातकालीन परिस्थितियों में राहत देना, महामारी या प्राकृतिक आपदा के समय सहायता पहुंचाना, सामाजिक न्याय के तहत वंचित वर्गों को अवसर देना-ये सब राज्य की जिम्मेदारी है। परंतु चुनावी मौसम में अचानक घोषणाओं की बाढ़ आ जाना और दीर्घकालिक वित्तीय परिणामों की अनदेखी करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत नहीं है। यह राजनीतिक दलों के वैचारिक दिवालियेपन को दर्शाता है, जहां दूरदृष्टि की जगह तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता दी जाती है। लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सजगता से भी आती है। यदि मतदाता केवल तात्कालिक लाभ देखकर मतदान करता है, तो वह अनजाने में ऐसी संस्कृति को प्रोत्साहित करता है जो अंततः उसी के भविष्य को प्रभावित करती है। परिपक्व मतदाता वही है जो घोषणाओं के पीछे की मंशा और आर्थिक व्यवहार्यता को समझे। वह यह पूछे कि पांच साल बाद राज्य की आर्थिक स्थिति क्या होगी, विकास की दिशा क्या होगी और रोजगार के अवसर कितने बढ़ेंगे। लोकतंत्र में वोट केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। स्वयं को वैश्विक मंच पर एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। हम विश्वगुरु बनने का संकल्प लेते हैं, लेकिन यदि हमारी राजनीति लोकलुभावनवाद के जाल में उलझी रहेगी, तो यह संकल्प खोखला सिद्ध होगा। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव तभी सार्थक है जब हमारी नीतियां दूरदर्शी, संतुलित और टिकाऊ हों। मुफ्त की संस्कृति से बाहर निकलकर उत्पादकता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है। यह समय आत्ममंथन का है। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि जनता को सशक्त बनाना केवल धन बांटने से संभव नहीं है। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और रोजगार-ये चार स्तंभ किसी भी राष्ट्र की मजबूती तय करते हैं। यदि इन पर निवेश बढ़ेगा, तो नागरिक आत्मनिर्भर बनेंगे और राज्य पर बोझ कम होगा। वहीं, नागरिकों को भी यह ठानना होगा कि वे तात्कालिक प्रलोभनों के बजाय दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता देंगे। लोकतंत्र की सुदृढ़ता तभी सुनिश्चित होगी जब शासन और जनता दोनों अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें। निस्संदेह, चुनावी निष्पक्षता के लिये यह आवश्यक हो गया है कि चुनाव से पहले घोषित की गई या लागू की गई लोकलुभावनी नीतियों व योजनाओं की गहन पड़ताल की जाए। विपक्षी दलों द्वारा बिहार सरकार पर आरोप लगाया गया था कि पिछले साल अक्तूबर में आचार संहिता लागू रहने के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिला लाभार्थियों को 15,600 करोड़ रुपये दिए गए थे। जो कि स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध कदम था। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपरोक्ष रूप से रिश्वत देने के प्रयासों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही इस दिशा में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में कार्रवाई भी करनी चाहिए। निर्विवाद रूप से चुनाव प्रक्रिया में कोई भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाना हमारे जीवंत लोकतंत्र के लिये हानिकारक है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की प्रवृत्ति लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती है। यह कार्य करने की मानसिकता को बाधित करती है और समाज में सरकार-निर्भरता एवं अकर्मण्यता की संस्कृति को जन्म देती है। यदि इस प्रवृत्ति पर समय रहते नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आर्थिक असंतुलन और राजनीतिक अविश्वास दोनों बढ़ेंगे। इसलिए आवश्यक है कि नीतियों की पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और चुनावी निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। यही लोकतंत्र की वास्तविक रक्षा है, यही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भारतीय आकाश को अभेद्य कवच में बदल देंगे पीएम मोदी इजराइल से लेकर आएंगे आयरन लेजर सिस्टम

(नीरज कुमार दुबे)

आयरन बीम की सबसे बड़ी विशेषता इसकी लागत है। जहां पारंपरिक मिसाइल अवरोधन में भारी खर्च आता है, वहीं लेजर किरण से किया गया एक अवरोधन मात्र कुछ डॉलर के बराबर पड़ता है। ड्रोन झुंड जैसे हमलों के दौर में यह प्रणाली आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टि से क्रांतिकारी साबित हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इजरायल दौरा सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। माना जा रहा है कि यह यात्रा भारत की सुरक्षा ढाल की नींव मजबूत करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। हम आपको बता दें कि भारत पहले ही स्वदेशी बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली सुदर्शन चक्र के निर्माण में जुटा है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2035 तक प्रमुख शहरों और सामरिक प्रतिष्ठानों को मिसाइल और ड्रोन हमलों से सुरक्षित करना है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा विकसित 30 किलोवाट क्षमता की उच्च ऊर्जा लेजर आधारित निर्देशित ऊर्जा प्रणाली एमके टू ए इस दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। लेकिन अब भारत की नजर इजरायल की 100 किलोवाट श्रेणी की आयरन बीम प्रणाली पर है, जो आयरन डोम के साथ मिलकर कम दूरी की रॉकेट, मोर्टार और ड्रोन को कुछ ही क्षणों में ध्वस्त कर सकती है।

आयरन बीम की सबसे बड़ी विशेषता इसकी लागत है। जहां पारंपरिक मिसाइल अवरोधन में भारी खर्च आता है, वहीं लेजर किरण से किया गया एक अवरोधन मात्र कुछ डॉलर के बराबर पड़ता है। ड्रोन झुंड जैसे हमलों के दौर में यह प्रणाली आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टि से क्रांतिकारी साबित हो सकती है। हम आपको बता दें कि भारत सुदर्शन चक्र के तहत मध्यम और लंबी दूरी की बराक आठ प्रणालियों, एआई आधारित सेंसर और साइबर सुरक्षा तंत्र को एकीकृत कर रहा है। इसी के साथ इजरायल की एरो और डेविड स्लिंग जैसी दूरवर्ती अवरोधन प्रणालियों के तत्वों को भी समझा जा रहा है, ताकि बहुस्तरीय सुरक्षा कवच तैयार हो सके। देखा जाये तो ऑपरेशन सिंदूर ने स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य का युद्ध पारंपरिक सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगा। उस दौरान भारत ने रैम्पेज मिसाइल, हारोप और हार्पी जैसे कामिकाजे ड्रोन तथा स्पाइस एक हजार सटीक मार्गदर्शित बमों का उपयोग कर पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों और सैन्य संपत्तियों को निशाना बनाया था। इन प्रणालियों ने सटीकता, मारक क्षमता और तकनीकी श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया था। हम आपको यह भी बता दें कि फोर्ब्स इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2026 में इजरायल ने भारत के साथ 8.6 अरब डालर के रक्षा सौदों पर सहमति जताई है। इनमें राफेल द्वारा निर्मित स्पाइस एक हजार बम, 250 किलोमीटर मारक क्षमता वाली रैम्पेज वायु से भूमि मिसाइल, एयर लोरा बैलिस्टिक मिसाइल तथा 300 किलोमीटर रेंज वाली आइस ब्रेकर मिसाइल प्रणाली शामिल है। फ्रांस के बाद इजरायल भारत का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता बन चुका है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह यात्रा वर्ष 2017 के बाद इजरायल की दूसरी यात्रा पर गए हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि दोनों देशों के बीच आर्थिक, कूटनीतिक और सुरक्षा सहयोग को नई ऊंचाई दी जाएगी। कनेसेट में मोदी का संबोधन इस बढ़ती निकटता का प्रतीक होगा। पिछले नवंबर में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की इजरायल यात्रा के दौरान उन्नत तकनीकों के संयुक्त विकास और सह उत्पादन पर सहमति बनी थी। अब प्रस्तावित समझौता ज्ञापन इस सहयोग को और संस्थागत रूप देगा। भारत केवल खरीददार की भूमिका में नहीं रहना चाहता, बल्कि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और स्वदेशी उत्पादन के माध्यम से आत्मनिर्भर रक्षा तंत्र खड़ा करना चाहता है। चौथा प्रभाव तकनीकी आत्मनिर्भरता पर पड़ेगा। एआई, क्वांटम और उन्नत प्रौद्योगिकी सहयोग से भारत का रक्षा उद्योग अगली पीढ़ी की युद्ध प्रणालियों में अग्रणी बन सकता है। इस तरह स्पष्ट है कि यह यात्रा केवल द्विपक्षीय औपचारिकता नहीं, बल्कि भविष्य की युद्धक तैयारी का खाका है। भारत अब रक्षात्मक प्रतिक्रियावादी राष्ट्र की छवि से बाहर निकलकर तकनीकी रूप से सुसज्जित, बहुस्तरीय और आक्रामक प्रतिरोधक शक्ति बनने की दिशा में बढ़ रहा है। बहरहाल, यदि आयरन बीम, एरो, डेविड स्लिंग जैसी प्रणालियों के तत्व सुदर्शन चक्र में समाहित होते हैं, तो भारतीय आकाश एक अभेद्य कवच में बदल सकता है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

हेक्सागन गठबंधन के अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मायने समझिए

(कमलेश पांडे)

देखा जाए तो हेक्सागन गठबंधन की भावी योजनाओं से चीन के बीआरआई जैसे प्रयासों को चुनौती मिल सकती है। इसका अपेक्षित प्रभाव यह होगा कि एक 'नई वैश्विक धुरी' बनाने का जो नेतन्याहू का विजन है, वो विकास-समर्थक राष्ट्रों को शांति और समृद्धि के लिए एकजुट करने वाला है। इसलिए भारत इसमें प्रमुख भूमिका निभा सकता है। इजरायल द्वारा प्रस्तावित हेक्सागन गठबंधन के अंतर्राष्ट्रीय मायने बेहद दिलचस्प हैं। यह अतिवादी ताकतों के विरूद्ध शक्ति संतुलन स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। वास्तव में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा प्रस्तावित यह गठबंधन एक ऐसा कूटनीतिक समूह है, जिसमें भारत, अरब देश, अफ्रीकी राष्ट्र, ग्रीस, साइप्रस और अन्य एशियाई देश शामिल होंगे।

समझा जाता है कि भले ही इस गठबंधन का मुख्य उद्देश्य कट्टरपंथी शिया और सुन्नी ताकतों के खिलाफ एकजुट होकर सुरक्षा, स्थिरता और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है, लेकिन इसके उन वैश्विक कूटनीतिक निहितार्थों से भी इंकार नहीं किया जा सकता, जो अमेरिका, चीन और रूस जैसे तीनों अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के कान खड़े करने वाले साबित हो सकते हैं। ऐसा इसलिए कि इस गठबंधन में विश्व की चौथी बड़ी शक्ति भारत बेहद मजबूत और नेतृत्वकारी स्थिति में रहेगा। लिहाजा इसका स्वरूप तय हो जाने के बाद अरब और खाड़ी के इस्लामिक देशों पर वर्चस्व की जो होड़ वैश्विक महाशक्तियों के बीच मची रहती है, उस पर एक हद तक अल्पविराम भी लगेगा।

छह-पक्षीय (हेक्सागन) धुरी है हेक्सागन गठबंधन

दरअसल, हेक्सागन गठबंधन छह-पक्षीय (हेक्सागन) धुरी है जो पश्चिम एशिया में नई वैश्विक शक्ति के रूप में उभरेगी, क्योंकि भारतीय उपमहाद्वीप से भी इसे पूरी ताकत मिलेगी। यह भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे से भी जुड़ी हुई है।

वहीं इस बेमिसाल गठबंधन में भारत को प्रमुख भूमिका दी गई है, जिसमें एआई क्वांटम कंप्यूटिंग और सुरक्षा सहयोग पर फोकस होगा। जहां तक भारत की भागीदारी की बात है तो भारत अभी आधिकारिक रूप से इसमें शामिल नहीं हुआ है, लेकिन पीएम मोदी की 25-26 फरवरी 2026 को होने वाली इजरायल यात्रा के दौरान इस पर चर्चा और समझौते होने की संभावना बलवती है।

समझा जाता है कि यह 2017 के बाद पीएम मोदी की यह दूसरी बड़ी यात्रा होगी, जो पारस्परिक संबंधों को और अधिक मजबूत करेगी। वहीं नेतन्याहू ने इसे कट्टरपंथ विरोधी नई धुरी बताया है। उल्लेखनीय है कि हेक्सागन गठबंधन अभी औपचारिक रूप से अस्तित्व में नहीं आया है, लेकिन इसमें शामिल होने वाले प्रमुख देशों या समूहों में इजरायल, भारत, ग्रीस, साइप्रस, कुछ अरब राष्ट्र और अफ्रीकी देश शामिल बताए गए हैं।

इस गठबंधन का मुख्य देश इजरायल है जो गठबंधन का प्रस्तावक और केंद्र बिंदु है। जबकि भारत इसके प्रमुख भागीदार के रूप में देखा जा रहा है, खासकर सुरक्षा और तकनीकी सहयोग के लिए। वहीं ग्रीस और साइप्रस इसके भूमध्यसागरीय रणनीतिक साझेदार देश हैं। जबकि अरब के कतिपय देश विकास और शांति समर्थक राष्ट्र के तौर पर रहेंगे। वहीं अफ्रीकी देश क्षेत्रीय स्थिरता के लिए इसमें शामिल होंगे। जबकि अन्य एशियाई देश इसमें भारत और उस जैसे सहयोगी की भूमिका में शामिल किए जाएंगे।

हेक्सागन गठबंधन का उद्देश्य है स्पष्ट

जहां तक हेक्सागन गठबंधन के उद्देश्य की बात है तो यह गठबंधन कट्टरपंथी शिया-सुन्नी ताकतों के खिलाफ एकजुटता का प्रयास है, जिसमें भारत-मध्य पूर्व-यूरोप गलियारे से जुड़ाव हो सकता है। वहीं इसका मुख्य ध्येय कट्टरपंथी शिया और सुन्नी ताकतों (जैसे ईरान समर्थित शिया धुरी और उभरती सुन्नी कट्टरपंथी शक्तियों) के खिलाफ एकजुट होकर क्षेत्रीय सुरक्षा, स्थिरता और आर्थिक सहयोग को मजबूत करना है।

यह गठबंधन भूमध्य सागर, मध्य पूर्व, अफ्रीका और एशिया के सहयोगी देशों को एक मंच पर लाकर कट्टरपंथ, आतंकवाद और अस्थिरता का सामना करने का एक सशक्त प्रयास है। इसमें भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे को मजबूत करना, एआई, क्वांटम तकनीक और सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देना शामिल है।

हेक्सागन गठबंधन से भारत का बढ़ेगा रणनीतिक महत्व

देखा जाए तो हेक्सागन गठबंधन की भावी योजनाओं से चीन के बीआरआई जैसे प्रयासों को चुनौती मिल सकती है। इसका अपेक्षित प्रभाव यह होगा कि एक 'नई वैश्विक धुरी' बनाने का जो नेतन्याहू का विजन है, वो विकास-समर्थक राष्ट्रों को शांति और समृद्धि के लिए एकजुट करने वाला है।

इसलिए भारत इसमें प्रमुख भूमिका निभा सकता है।

यही वजह है कि हेक्सागन गठबंधन से भारत को वैश्विक महाशक्ति के केंद्र के रूप में उभरने में रणनीतिक, आर्थिक और तकनीकी लाभ मिलेंगे। क्योंकि यह नया नाटो जैसा समूह भारत को मध्य पूर्व-यूरोप तक सुरक्षित पहुंच प्रदान करेगा। लिहाजा, इस नई स्थिति का प्रमुख लाभ रणनीतिक ऊंचाई प्राप्त करना है।

इससे दुनिया के सबसे ताकतवर देशों में भारत की गिनती बढ़ेगी, और कट्टरपंथ और आतंकवाद के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा बनेगा। यह इसलिए भी जरूरी है कि अमेरिका-चीन जैसे अहम वैश्विक खिलाड़ी अच्छा आतंकवाद और बुरा आतंकवाद के द्वंद्व में उलझे हुए हैं।

जहां तक भारत की आर्थिक पहुंच की बात है तो आईएमईसी गलियारे से मिडिल ईस्ट-यूरोप तक सीधा सुरक्षित मार्ग मिलेगा, जो चीन के बीआरआई को चुनौती देता हुआ प्रतीत होगा।वहीं भारत को तकनीकी सहयोग मिलेगा। खासकर एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, डिफेंस (मिसाइल, ड्रोन) और सुरक्षा साझेदारी मजबूत होगी।

इसका क्षेत्रीय प्रभाव यह पड़ेगा कि अरब-अफ्रीकी देशों से भारत के संबंध मजबूत होंगे, और अमेरिका के बिना भी भारत का स्वतंत्र सुरक्षा तंत्र मजबूत बना रहेगा। वहीं अपेक्षित प्रभाव यह होगा कि पीएम मोदी की इजरायल यात्रा से ये सभी लाभ औपचारिक हो सकते हैं, जो भारत को वैश्विक पावर बैलेंस में मजबूत बनाएंगे।

हेक्सागन गठबंधन बनेगा चीन के लिए चुनौती

सच कहूं तो हेक्सागन गठबंधन चीन के लिए चुनौती है क्योंकि यह चीन के वन बेल्ट वन रोड प्रोजेक्ट को सीधे चुनौती देगा। खासकर भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा को मजबूत कर यह वैकल्पिक व्यापार मार्ग बनाएगा। इसका प्रमुख कारण आर्थिक प्रतिस्पर्धा है। आईएमईसी से मिडिल ईस्ट-यूरोप तक चीन-बिना सीधा रास्ता, बीआईआई के प्रभाव को कम करेगा।

इस नए गठबंधन से चीन की रणनीतिक घेराबंदी भी आसान होगी, क्योंकि नया एशियाई-अरब-अफ्रीकी देशों का समूह चीन के मध्य पूर्व विस्तार को रोकेगा। जहां तक भारत की भूमिका की बात है तो भारत को महाशक्ति केंद्र बनाकर चीन के क्षेत्रीय वर्चस्व को चुनौती दी जा सकती है। जबकि तकनीकी व सुरक्षा के दृष्टिगत एआई, क्वांटम सहयोग से चीन की तकनीकी श्रेष्ठता पर असर पड़ेगा। जहां तक वैश्विक प्रभाव की बात है तो यह क्वाड/आईएमईसी जैसी पहलों का विस्तार बनेगा, जो चीन के विस्तारवाद को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है।

क्या हेक्सागन गठबंधन क्वाड या अकुस से अलग है?

हां, हेक्सागन गठबंधन क्वाड और एकुस से स्पष्ट रूप से अलग है। यह इजरायल-प्रमुखित मध्य पूर्व-केंद्रित रणनीतिक समूह है, जबकि क्वाड और एकुस इंडो-पैसिफिक क्षेत्र पर केंद्रित हैं। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक है) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

22 विकलांग जोड़ो का हुआ सामूहिक विवाह, देश भर का सबसे भव्य एवं अनूठा आयोजन

सक्ती। अखिल भारतीय विकलांग चेतना परिषद छत्तीसगढ़ प्रांत, रायपुर सेंट्रल मारवाड़ी युवा मंच, कान्यकुब्ज सभा व शिक्षा मंडल एवं सीनियर सिटीजन वेलफेयर फोरम रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में राज्य स्तरीय विकलांग युवक युवती सामूहिक विवाह के इस आयोजन में 22 जोड़ों का विवाह आशीर्वाद भवन बैरन बाजार रायपुर में रविवार को संपन्न हुआ लगातार 16 वीं बार आयोजित सामूहिक विवाह में 22 जोड़ों का विवाह कराया गया। संयोजक वीरेंद्र पांडे, छत्तीसगढ़ प्रांत विकलांग चेतना परिषद के अध्यक्ष सत्येंद्र अग्रवाल एवं कार्यक्रम सह संयोजक घनश्याम पोद्दार, अनुराधा दुबेने बताया कि इस निशुल्क सामूहिक के मुख्य अतिथि के रूप मे पूर्वमंत्री एवं सांसद रायपुर बृजमोहन अग्रवाल , समारोह भूषण डॉ विनय पाठक राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष विकलांग चेतना द्यपरिषद एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में कान्यकुब्ज सभा शिक्षा मंडल के अध्यक्ष सुरेश मिश्रा, के अलावा कायक्रम संयोजक वीरेंद्र पांडे कान्यकुब्ज सभा एवं शिक्षा मंडल के सचिव रानेश दीक्षित, विकलांग चेतना परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष सत्येन्द्र अग्रवाल, प्रांतीय महामंत्री संतोष तिवारी, राष्ट्रीय महामंत्री मदन मोहन अग्रवाल, कायक्रम के सहसंयोजक घनश्याम पोद्दार एवम राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनुराधा दुबे, सीनियर सिटीजन के अध्यक्ष प्रकाश सुराधनवार, मारवाड़ी युवा मंच के सचिव त्रिपद जैन उपस्थित थे। इससे पूर्व आर्य समाज के छत्तीसगढ़ प्रमुख आचार्य जगबंधु, द्वारा अपने 25 सह आचार्य के सहित वैदिक रीति रिवाजों व पूरे पारंपरिक परिधान में सजे विकलांग विवाह युवक-युवतियों का सामूहिक विवाह संपन्न कराया गया,समारोह में अंतरजातीय विवाह भी हुए। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवम रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि विकलांगों को समाज की मुख्यधारा में जोड़कर विकलांग चेतना परिषद ने सराहनीय कार्य किया है विकलांगों की सेवा ही सबसे बड़ी मानव सेवा है । इस अवसर पर कोपलवाणी के मुख बधिर बच्चों द्वारा अपनी बहुत सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया मुख्य अतिथि ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए उनके साथ फोटो भी लिया।मुख्य अतिथि बृजमोहन अग्रवाल ने ने सभी 22 विवाहित जोड़ों को अपने हाथ से संस्था द्वारा दिए गए 50000 की सामग्री एवं प्रत्येक जोड़े को एक गिफ्ट अलग से प्रदान किया गया।इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनुराधा दुबे ने विकलांगों को हर संभव सहायता देने के साथ ही सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता राशि अतिशिग्रह प्रदान करने की घोषणा की । राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष डॉ विनय पाठक ने संस्था द्वारा देशभर में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए बधाई दी, इस अवसर पर संस्था के प्रांतीय अध्यक्ष सत्येंद्र अग्रवाल ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए संपूर्ण कार्यक्रम की सारगर्भित जानकारी प्रदान की कार्यक्रम को संबोधित करने वालों में राष्ट्रीय महामंत्री मदन मोहन, उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, कार्यक्रम के संयोजक वीरेंद्र पांडे भी शामिल थे। इस अवसर पर सुनीता सिंघानिया द्वारा द्वारा प्रदत विकलांगों को ट्राई साइकिल प्रदान की गई इसके अलावा संस्था द्वारा पिछले वर्षों मेंसंपन्न किए गए विकलांग विवाह के अंतर्गत शादीशुदा विकलांग जोड़ों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मार्गदर्शक कार्यक्रम संयोजक वीरेंद्र पांडेय, सुभाष अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, संतोष बजाज, विशेष रूप से उपस्थित रहे इस अवसर पर अतिथियों एवं विकलांगों को प्रतीक चिन्ह एवं पुरस्कार प्रदान किए गए कार्यक्रम का संचालन सह संयोजक घनश्याम पोद्दार एवं आभार प्रदर्शन कोषाध्य पंकज अग्रवाल ने किया। वकलांग सामूहिक विवाह समारोह आयोजन समिति के संयोजक वीरेंद्र पांडे,राजेश अग्रवाल प्रांतीय अध्यक्ष सत्येंद्र अग्रवाल, सह संयोजक घनश्याम पोद्दार, अनुराधा दुबे, रानेश दीक्षित ने जानकारी देते हुए बताया कि विवाहित जोड़ों को सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सबसे प्रमुख बात यह रही की बिलासपुर की सुनीता ध्रुव जो कि दोनों पैर से विकलांग है उसका विवाह राजनांदगांव के अमर सिंह से हुआ यह बहुत ही तारीफ की बात रही, जीवन की सुखद डगर में कुछ जोड़ों ने जातीय बंधन को रोड़ा नहीं माना इनमें दोनों पैर से विकलांग प्रयागराज, उत्तर प्रदेश के मोनू नाई के साथ दोनों पैर से विकलांग भाटापारा की सरस्वती चक्रधारी को अपना जीवन साथी बनाया। अभनपुर रायपुर के नेत्रहीन अध्यापक विकास सिंग नेताम ने एक नेत्रहीन विकलांग कांकेर चारामा की मनीष गोटा को अपनी जीवनसंगिनी बनाया। इसी प्रकार बलरामपुर की राजकुमारी जो एक सकलांग हैं उन्हें सूरजपुर की प्रदीप कोडाकु ने शादी कर अपना लिया इन लोगों ने हसी सुखी एक दूसरे को जय माला पहना कर सात फेरे की रस्म पूरी की।

हेपेटाइटिस बी एवं सी की रोकथाम के लिए एक दिवसीय बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

मुंगेली। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जिले में हेपेटाइटिस बी एवं सी की रोकथाम, समय पर पहचान और प्रभावी उपचार सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार एक दिवसीय बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य कर्मियों को हेपेटाइटिस की रोकथाम, स्क्रीनिंग, रिपोर्टिंग एवं उपचार संबंधी अद्यतन दिशानिर्देशों की विस्तृत जानकारी प्रदान करना था, ताकि जिले में वायरल हेपेटाइटिस उन्मूलन की दिशा में ठोस प्रगति सुनिश्चित की जा सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा ने बताया कि समय पर जांच और उपचार से संक्रमण को प्रभावी रूप से रोका जा सकता है। विशेष रूप से उच्च जोखिम समूहों में नियमित स्क्रीनिंग और जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी स्वास्थ्य संस्थानों को उच्च जोखिम समूहों एवं गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला नोडल अधिकारी डॉ. शिव पाल सिंह सिदार ने कहा कि हेपेटाइटिस एक गंभीर लेकिन नियंत्रित की जा सकने वाली बीमारी है। संक्रमित रक्त, असुरक्षित सुई या ब्लेड का उपयोग, असुरक्षित टैटू बनवाना तथा असुरक्षित यौन व्यवहार हेपेटाइटिस संक्रमण के प्रमुख कारण हैं। गर्भवती महिलाओं की अनिवार्य जांच से नवजात शिशुओं को संक्रमण से बचाया जा सकता है। प्रशिक्षण में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. कमलेश कुमार, आरसीएच अधिकारी डॉ. अमित लाल, आईडीएसपी कार्यक्रम के जिला डाटा प्रबंधक ओमप्रकाश साहू सहित विभिन्न स्वास्थ्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एनएमडीसी किरंदुल में दो दिवसीय महिला क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

किरंदुल। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में किरंदुल परियोजना में कार्यरत केवल महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच दो दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन डीएवी स्कूल ग्राउंड में किया गया। इस टूर्नामेंट में तीनों टीमों द्वारा लीग मैच खेले गए।इस दौरान महिला खिलाड़ियों की तीन टीमें क्रमशः लाजवाब लेडिस-टीम के कैप्टन डा.अमृता श्रीवास्तव, मैनेजर नीतू देवांगन,पावरहाऊस डिवास-टीम के कैप्टन डॉ.खुशबू श्रीवास्तव, मैनेजर रोजी एन.सोरेन और किरंदुल क्विन्स-टीम के कैप्टन डा.वी.चैतन्या, मैनेजर कुणामी हंसदा थीं।फाइनल मैच की मुख्य अतिथि के एल नागवेणी, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एवं विशिष्ट अतिथि डॉ.मनीषा लाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, परियोजना चिकित्सालय, संजय पाटील, सहा. महाप्रबंधक (राजभाषा), प्रमोद कुमार, सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) उपस्थित थे। सर्वप्रथम पुष्पगुच्छ देकर अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया।तत्पश्चात अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि ने टॉस किया और पावर हाऊस टीम को बल्लेबाजी करने को कहा। इसके बाद महिला क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच हुआ जिसमें टीम लाजवाब लेडिस विजेता और टीम पावरहाऊस डिवास टीम उप विजेता रहीं। जबकि टीम किरंदुल क्विन्स को तृतीय स्थान मिला।गौरतलब हैं कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मुख्य समारोह में विजेता और उप विजेता टीम को खिताब देकर सम्मानित किया जाएगा।मैच के एम्पायर बृजेश यादव और भोला,स्कोरर दिलीप कुमार, कामेन्ट्रेटर कुणामी हंसदा, सहायक प्रबंधक एवं दलिप कुमार (सामग्री) समन्वयक ने अपनी अहम भूमिका निभाई। महिला खिलाड़ियों ने प्रबंधन का आभार माना और भविष्य में महिलाओं के लिए ऐसे ही और टूर्नामेंट आयोजन करने की बात कही।

सुकमा के दूरस्थ कुचारास गांव में 'ट्रेन-थीम' वाला स्कूल बना आकर्षण का केंद्र

किरंदुल। एएम/एनएस इंडिया ने सुदूर वनांचल में स्थित कुचारास गाँव के बच्चों के भविष्य को संवारने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने अपनी सीएसआर पहल के तहत नवनिर्मित विद्यालय भवन को औपचारिक रूप से स्थानीय समुदाय को सौंप दिया है। यह पहल कंपनी के वैश्विक विजन "Smarter Steels, Brighter Futures" के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य नवाचार, गुणवत्ता और सामाजिक प्रतिबद्धता के माध्यम से समाज के लिए एक उज्ज्वल, सुरक्षित और सशक्त भविष्य का निर्माण करना है। मनकलपाल ग्राम पंचायत में आयोजित इस विशेष समारोह में विद्यालय प्रबंधन समिति, शिक्षकगण, पंचायत प्रतिनिधि और ग्रामीणों की गरिमामय उपस्थिति रही। पाइपलाइन कॉरिडोर पर स्थित कुचारास गाँव के ग्रामीण लंबे समय से अपने बच्चों के लिए एक सुरक्षित और टिकाऊ स्कूल भवन की मांग कर रहे थे। एएम/एनएस इंडिया ने ग्रामीणों के इस विश्वास का सम्मान करते हुए न केवल एक मजबूत और आधुनिक इमारत का निर्माण किया है, बल्कि इसे रचनात्मक और प्रेरणादायक स्वरूप भी प्रदान किया है। स्कूल की सबसे खास विशेषता इसकी ट्रेन-थीम आधारित कॉरिडोर कलाकृति है, जो बच्चों को रेल यात्रा जैसा अनुभव कराती है। डिब्बों के स्वरूप में डिजाइन किए गए क्लासरूम विद्यार्थियों के बीच पढ़ाई के प्रति नया उत्साह, जिज्ञासा और रोमांच उत्पन्न कर रहे हैं। यह पहल केवल आधारभूत संरचना निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि सीखने के वातावरण को रोचक और प्रेरक बनाने का प्रयास भी है–जो Smarter Steels, Brighter Futures की सोच को जमीनी स्तर पर साकार करता है।

संभाग में विकास की नई इबारत:

एएम/एनएस इंडिया केवल कुचारास तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे संभाग में शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के क्षेत्र में व्यापक कार्य कर रही है। कंपनी द्वारा मोबाइल मेडिकल यूनिट्स के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, युवाओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र संचालित करना तथा किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़ना जैसे महत्वपूर्ण प्रयास निरंतर जारी हैं। कुचारास की सफलता से प्रेरित होकर कंपनी ने अब परिया और मारोकी गाँवों में भी इसी तरह के आधुनिक स्कूल भवनों का निर्माण प्रारंभ कर दिया है। यह विस्तार दर्शाता है कि एएम/एनएस इंडिया का Smarter Steels, Brighter Futures विजन केवल एक नारा नहीं, बल्कि समग्र सामुदायिक विकास की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता है।

इस अवसर पर कंपनी के प्रतिनिधियों ने कहा,हमारा लक्ष्य केवल बुनियादी ढांचा तैयार करना नहीं है, बल्कि 'Smarter Steels' की मजबूती के साथ नई पीढ़ी के लिए 'Brighter Futures' की सशक्त नींव रखना है। बस्तर के सुदूर क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। गाँव के बुजुर्गों और प्रतिनिधियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। यह पहल स्पष्ट करती है कि जब मजबूत आधारभूत संरचना, नवाचार और सामाजिक प्रतिबद्धता साथ मिलते हैं, तो सबसे दूरस्थ इलाकों में भी शिक्षा की नई रोशनी जगाई जा सकती है।

गंगा सागर तालाब में खुदाई से 'गड़े धन' की चर्चा फिर तेज

बालोद। जिला मुख्यालय स्थित गंगा सागर तालाब इन दिनों एक बार फिर चर्चा का केंद्र बना हुआ है। तालाब में जेसीबी मशीन के माध्यम से खुदाई कार्य कराया जा रहा है। खुदाई के साथ ही शहर में वर्षों पुरानी गड़े धन की चर्चा भी दोबारा जोर पकड़ने लगी है। जानकारी के अनुसार, नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष यज्ञदत्त शर्मा के कार्यकाल के दौरान यह बात सामने आई थी कि तालाब क्षेत्र में पुराने समय का कोई धन गड़ा हुआ हो सकता है। हालांकि उस समय इस संबंध में कोई ठोस प्रमाण सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया था, लेकिन चर्चा शहर भर में फैल गई थी। इसके बाद पूर्व नपाध्यक्ष विकास चोपड़ा के कार्यकाल में भी जेसीबी से गंगा सागर तालाब की सफाई के दौरान कथित रूप से गड़े धन की तलाश की कोशिश की गई थी। बताया जाता है कि संभावित स्थान के स्पष्ट निर्धारण के अभाव में उस समय कोई सफलता नहीं मिल सकी। वर्तमान में नगर पालिका की बागडोर संभाल रहीं अध्यक्ष प्रतिभा चौधरी के कार्यकाल में तालाब में जेसीबी के माध्यम से व्यापक स्तर पर खुदाई कराई जा रही है। आधिकारिक तौर पर इसे सफाई एवं सौंदर्यीकरण कार्य का हिस्सा बताया जा रहा है, लेकिन शहर में यह चर्चा भी है कि खुदाई के पीछे गड़े धन की संभावना की भी पड़ताल की जा रही है। इस संबंध में पूर्व नपाध्यक्ष यज्ञदत्त शर्मा का कहना है कि तालाब में किसी प्रकार के धन के गड़े होने की बात निराधार है और ऐसी किसी वस्तु को खोज पाना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन है। फिलहाल तालाब में जारी खुदाई कार्य को लेकर नागरिकों में उत्सुकता बनी हुई है। अब देखना होगा कि यह पूरा मामला केवल अफवाह साबित होता है या खुदाई से कोई नई जानकारी सामने आती है।

होली पर बेमेतरा जिले में शुष्क दिवस घोषित

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ शासन, वाणिज्यिक कर (आबकारी) विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा जारी आदेश के अनुसार होली (जिस दिन रंग खेला जाएगा) बुधवार 04 मार्च 2026 को शुष्क दिवस घोषित किया गया है। जारी आदेश के परिपालन में जिला बेमेतरा में स्थित सभी मदिरा दुकानें उक्त तिथि को पूर्णतः बंद रहेंगी। इसमें निम्नलिखित दुकानें एवं उनसे संलग्न अहाते शामिल हैं समस्त देशी मदिरा दुकानें (सी.एस.-2 (घघ)), समस्त विदेशी/ प्रीमियम मदिरा दुकानें (एफ.एल.-1 (घघ)), समस्त देशी/विदेशी कम्पोजिट मदिरा दुकानें (सी.एस.-2 (घघ-कम्पोजिट), एफ.एल.-1 (घघ-कम्पोजिट))।

मानसिक रुप से बीमार पत्नी नही करती थी घरेलू कामकाज, बिना बताए चली जाती थी मायके, गुस्साए पति ने गला घोंट कर दी हत्या, गिरफ्तार

बालोद। ग्राम देवीनवागांव के तांदुला नदी किनारे महिला सावित्री निषाद का मिले शव के मामले में बालोद पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है, आरोपी कोई और नही बल्कि मृतिका का पति धर्मेंद्र निषाद ही है, जो पत्नी के बिना बताए मायके चले जाने और घरेलू कामकाज नही करने से परेशान था, जिससे गुस्साए पति ने अपनी ही पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। मामले में पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। जिसका खुलासा एडिशनल एसपी मोनिका ठाकुर ने किया। उन्होंने बताया कि 23 फरवरी को पुलिस को सूचना प्राप्त हुआ कि बालोद थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम देवीनवागांव तांदुला किनारे में एक महिला का शव देखने की सूचना पर तत्काल पुलिस के वरिष्ठ अधिकारीगण व फॉरेंसिक, साइबर सेल और बालोद थाना की टीम एवं डाग स्क्वाड घटना स्थल हेतु रवाना हुए, मौके पर पहुंचकर घटनास्थल को सुरक्षित करने पश्चात। सभी दलों के आने उपरांत घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया। विशेषज्ञों के राय उपरांत प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत होने से बालोद थाने में मर्ग क्र 16/2026 एवं अपराध क्रमांक 88/2026 धारा 103 बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। उन्होंने बताया की घटना को गंभीरता से लेते हुए दुर्ग रेंज आइजी के मार्गदर्शन में एसपी योगेश पटेल के निर्देशन में सायबर सेल व बालोद से विशेष टीम गठित किया गया। जिसे अलग अलग क्षेत्रों मे कार्य करने हेतु दिशा निर्देश कर टीम को रवाना किया गया। महिला का शव ग्राम देवीनवागांव निवासी सावित्री निषाद का होना पाया जाने से उसके परिजन को बुलाकर पहचान कराने पर चिन्हित हो जाने से टीम एक्टीव हो कर मृत महिला के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी हासिल किया गया।

घटना के दो दिन पहले आई थी ससुराल

उन्होंने बताया कि टीम द्वारा गांव में कई दिनो तक कैम्प किया गया एवं घटना के हर एक पहलू को ध्यान देते हुए बारीकी से एनालिसिस किया गया। मुखबिर भी लगाया गया, ग्रामीणो से घटना के संबंध जानकारी प्राप्त किया गया। मृत महिला के संबंध में जानकारी प्राप्त किया, जिससे पता चला कि विगत कुछ सालो से महिला मानसिक रूप से बीमार चल रही थी। व घरेलू कार्य नही करती थी। बार बार अपने मायके दुर्ग बिना बताए चले जाती थी। घटना के एक दो दिन पहले ही अपने ससुराल देवी नवागांव आई थी। टीम द्वारा सभी पहलु पर बारीकी से एनालिसिस करने के बाद मृतिका के पति धर्मेन्द्र निषाद पिता गंभीर राम निषाद (41) पर शक होने पर उसे बारीकी से पूछताछ करने पर पहले वह गोल मोल जवाब दे रहा था, तकनीकी साक्ष्य व अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य के आधार पर दोबारा बारीकी से पूछताछ करने पर उक्त घटना करना कबूल किया।

पत्नी को गुस्से से पटक दिया

उन्होंने बताया कि आरोपी धर्मेंद्र निषाद ने अपने कथन में बताया कि उसकी पत्नी सावित्री निषाद कुछ दिनो से मानसिक रूप से बीमार चल रही थी। और बिना बताए अपने मायके चले जाती थी। घर का काम जैसे कपड़ा धोना, खाना बनाना घरेलू काम नही करती थी। घटना दिन को भी वह सुबह उसकी पत्नी कपड़ा नही धोई, खाना भी नही बनाई, छोटी बेटी बिना खाए स्कूल चली गई, बड़ी बेटी घर में थी, मां भी बिना खाए मिटिंग में चली गई। उन्होंने बताया कि धर्मेन्द्र निषाद गांव के छठी कार्यक्रम में गया वापस आने से पत्नी घर में नही थी। आरोपी धर्मेन्द्र निषाद काफी आक्रोश में था। उसे ढूंढने गांव की तरफ गया, नही मिलने पर तांदुला नदी तरफ जहां महिलाए शौच करने जाती है, कि ओर गया और पुरानी साडी को हत्या की नियत से उठाकर उसे फाड कर रस्सी नुमा बनाकर अपनी पत्नी को देखा गुस्से से जाकर उसे पटक दिया और अपनी पत्नी के गले में साड़ी से कई बार लपेट कर उसकी हत्या कर दिया और लोगों को गुमराह करने के लिए अपनी पत्नी द्वारा रखे स्कार्फ को सिर एवं गला में लपेट कर ढक दिया, ताकि लोग समझे कि गिरने से स्कार्फ फसने से मृत्यु हुई है। उसके बाद वहां से वापस खेत के रास्ते अपने घर आ गया। उन्होंने बताया कि आरोपी धर्मेन्द्र निषाद को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। उक्त अंधे कत्ल की गुत्थी सलझाने व आरोपी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी बालोद निरीक्षक शिशुपाल सिन्हा, सायबर सेल प्रभारी स.उ. निरीक्षक धरम भुआर्य, प्रधान आरक्षक योगेश सिन्हा, दुर्योधन यादव, भुनेश्वर मरकाम, विवेक शाही, रुम लाल चुरेंद, आरक्षक भोपसिंह साहू ,राहुल मनहरे, विपिन गुप्ता, आकाश दुबे, पुरन देवांगन, संदीप यादव, आकाश सोनी, गुलझारी साहू, मनीष राजपूत, मोहन कोकिला, संजय सोनी, उमेश निषाद, म.आरक्षक लक्ष्मी पटेल, योगेश पटेल, मिथलेश यादव का विशेष योगदान रहा।

संक्षिप्त समाचार

बिहान से मिली दिशा,ड्रोन दीदी बन आसमां छू रहीं सीमा

बिलासपुर। कभी सीमित संसाधनों और आर्थिक परेशानियों के बीच जीवन गुजारने वाली ग्राम पंचायत पौंड़ी, जनपद पंचायत मस्तूरी

की सीमा वर्मा ने आज अपने हौसले और मेहनत से नई पहचान बना ली है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़कर उन्होंने न केवल अपने जीवन की दिशा बदली, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन गई हैं। वर्ष 2014 में सीमा वर्मा जय मां गायत्री स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। शुरुआत में उन्होंने समूह के साथ बचत और छोटे-छोटे कामों से अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने की कोशिश की। बिहान से जुड़ने के बाद उन्हें स्वरोजगार के अवसर मिले और उन्होंने पैरा मशरूम उत्पादन का कार्य शुरू किया। अपनी मेहनत और लगन से उन्होंने इस काम को आगे बढ़ाया और इससे उन्हें नियमित आय मिलने लगी। कुछ नया सीखने और आगे बढ़ने की इच्छा ने उन्हें आधुनिक तकनीक की ओर भी प्रेरित किया। दिसंबर 2023 में उन्होंने ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के बाद शासन की सहायता से उन्हें ड्रोन सेट, जनरेटर और ई-वाहन उपलब्ध कराया गया। इसके बाद उन्होंने किसानों के खेतों में ड्रोन के माध्यम से कीटनाशक का छिड़काव करना शुरू किया। आज सीमा वर्मा ड्रोन तकनीक के माध्यम से किसानों की मदद कर रही हैं और सम्मानजनक आय अर्जित कर रही हैं। गांव में लोग उन्हें अब स्नेहपूर्वक 'ड्रोन दीदी' के नाम से पुकारते हैं। सीमा वर्मा की यह यात्रा बताती है कि अगर अवसर और मार्गदर्शन मिले तो ग्रामीण महिलाएं भी अपने हौसलों के दम पर नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकती हैं। बिहान योजना ने उन्हें दिशा दी और उनके सपनों को नई उड़ान दी।

10 मार्च को होगी आम फलों की नीलामी

बिलासपुर। शासकीय उद्यान रोपणी बहतराई, विकासखण्ड तखतपुर में स्थित आम के मातृ वृक्षों में लगे फलों की नीलामी 10 मार्च को 2026 को आयोजित की जाएगी। उद्यान अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार नीलामी प्रक्रिया बंद लिफाफा पद्धति से संपन्न होगी। नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्ति नीलामी की तिथि के पूर्व किसी भी दिवस दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक आम पौधों में लगे फलों का निरीक्षण कर सकते हैं। नीलामी शर्तों की विस्तृत जानकारी उद्यान अधीक्षक कार्यालय बहतराई, विकासखण्ड तखतपुर से प्राप्त की जा सकती है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन 8 मार्च को

बिलासपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च 2026 को एक दिवसीय महिला खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम स्व. बी.आर. यादव राज्य खेल प्रशिक्षण केंद्र, बहतराई, बिलासपुर में प्रातः 10 बजे से आयोजित होगा। प्रतियोगिता के अंतर्गत कबड्डी, आर्चरी, बास्केटबॉल और वॉलीबॉल सहित चार विभिन्न खेलों का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में 12 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की प्रतिभागी भाग ले सकेंगी। कार्यक्रम के समापन पर विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने सभी इच्छुक प्रतिभागियों से समय पर कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होकर प्रतियोगिता में भाग लेने का आग्रह किया है।कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य और खेलों के प्रति जागरूक करना, उनमें स्वस्थ जीवनशैली के प्रति रुचि विकसित करना तथा खेल एवं शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए प्रेरित करना है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व को भी रेखांकित किया जाएगा।

राज्यपाल ने माँ महामाया का दर्शन कर लिया आशीर्वाद

बिलासपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज रतनपुर पहुंचकर माँ महामाया मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना और आरती की। उन्होंने माँ महामाया से छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, खुशहाली और प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना कर आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर में राज्यपाल का मंदिर समिति के पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं ने आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष श्री लवकुश कश्यप,कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, एसएसपी श्री रजनेश सिंह सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी, श्री मोहित जायसवाल एवं समिति के पदाधिकारी मौजूद थे।

संस्कृति को सहेजने की दी सीख, आर्चरी खिलाड़ियों को 5-5 हजार देने की घोषणा

बैगा-बिरहोर आदिवासियों के गांव पहुंचे राज्यपाल,योजनाओं का जाना हाल

बिलासपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज अपने बिलासपुर प्रवास के दौरान कोटा विकासखंड के शिवतराई पहुंचकर बैगा और बिरहोर जनजाति के लोगों से आत्मीय चर्चा की। उन्होंने उनकी जीवनशैली, पारंपरिक संस्कृति तथा शासन की योजनाओं से मिल रहे लाभ की जानकारी ली। इस अवसर पर राज्यपाल ने आर्चरी के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए प्रत्येक खिलाड़ी को 5-5 हजार रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने खिलाड़ियों को लोकभवन रायपुर आने का निमंत्रण दिया तथा कलेक्टर को उनके आवागमन सहित आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। राज्यपाल श्री डेका ने करका की लखपति दीदी श्रीमती प्रमिला बैगा से चर्चा की। उन्होंने बताया कि वे गोंदा स्वसहायता समूह से जुड़ी हैं। समूह की श्रीमती रश्मि मरावी ने बताया कि उनके समूह द्वारा सिलाई-मशीन का काम, अचार-पापड़ निर्माण सहित अन्य आजीविका गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। बैगा महिलाओं द्वारा बांस से विभिन्न उपयोगी उत्पाद भी तैयार किए जा रहे हैं। राज्यपाल ने आयुष्मान कार्ड, महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन, पीएम जनमन योजना सहित अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी भी ली। औरापानी की श्रीमती मंगली ने बताया कि उन्हें आवास योजना का लाभ मिला है। शिवतराई की श्रीमती ममता खुसरो ने बताया कि उन्हें आयुष्मान कार्ड के साथ महतारी वंदन योजना का भी लाभ मिल रहा है। उन्होंने आयुष्मान कार्ड से अपना अल्सर का ऑपरेशन भी कराया है। राज्यपाल ने कहा कि बैगा और बिरहोर समाज की समृद्ध संस्कृति और परंपराएं उनकी पहचान हैं। उन्होंने लोगों से अपनी संस्कृति को सहेजकर रखने का आग्रह करते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ते हुए भी अपनी परंपराओं को विलुप्त न होने दें। उन्होंने कहा कि बांस के उत्पाद और पारंपरिक गहने बनाना सिखाने के लिए प्रशिक्षक की भी व्यवस्था की जाएगी।

राज्यपाल ने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने पर भी जोर दिया। इस दौरान सरपंच ने बताया कि यहां पीएम जनमन योजना के तहत 265 आवास स्वीकृत हुए हैं। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने बताया कि जिले में पीवीटीजी समुदाय के लगभग 6400 लोग 54 बसाहटों में निवासरत हैं। पीएम जनमन योजना के तहत लगभग 900 आवास स्वीकृत किए गए हैं तथा 21 सड़कों का निर्माण किया गया है। टाटीधार में बहुद्देशीय केंद्र बनाया गया है। पीवीटीजी बसाहटों में 3 मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण और दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। राज्यपाल ने निर्देश दिए कि पीएम जनमन योजना का अधिक से अधिक लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जाए तथा नियमित रूप से मेडिकल कैंप लगाए जाएं। उन्होंने टीबी मरीजों के पोषण के लिए उन्हें गोद लेने की पहल को भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि यदि किसी को मोतियाबिंद की समस्या है तो वे एम्स आ सकते हैं, वहां उनके ठहरने की व्यवस्था भी की जाएगी। राज्यपाल ने बैगा समाज के लोगों को होली पर्व की शुभकामनाएं दीं और उन्हें उपहार भी प्रदान किया। इस अवसर पर बैगा समाज के प्रमुख श्री लुमन सिंह बैगा ने पलाश के फूलों की माला पहनाकर राज्यपाल का स्वागत किया तथा बैगा महिलाओं ने खुमरी पहनाकर उनका पारंपरिक स्वागत किया। कार्यक्रम में एसएसपी श्री रजनेश सिंह, सीसीएफ श्री मनोज पांडे, एडीएम श्री शिव कुमार बनर्जी सहित बड़ी संख्या में बैगा आदिवासी समाज के लोग, स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्रामीण और अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

छग राज्यपाल रमेन डेका ने किया अचानकमार टाइगर रिजर्व का दौरा

- जंगल सफारी का लिया आनंद, जनजातीय कला और प्राकृतिक सौंदर्य की सराहना

बिलासपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज मुंगेली जिले के प्रसिद्ध अचानकमार टाइगर रिजर्व का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जंगल सफारी का आनंद लिया और वनांचल की प्राकृतिक सुंदरता की सराहना की। उन्होंने प्राकृतिक वातावरण में वन्य जीव के संरक्षण को प्रोत्साहित किया। दौरे के दौरान राज्यपाल ने आदिवासी अंचल की महिलाओं द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों की प्रशंसा की। उन्होंने बैगा और गोंड जनजाति की पारंपरिक ट्राइबल पेंटिंग्स तथा स्थानीय हस्तशिल्प को विशेष रूप से सराहा। राज्यपाल श्री डेका ने सिहावल क्षेत्र में वन्य प्राणी संरक्षण को और मजबूत करने के लिए आवश्यक सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने जंगली हाथियों के प्रशिक्षण एवं प्रबंधन के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस दौरान डीडी एटीआर ने बताया कि यह क्षेत्र हिरण, हाथी, टाइगर सहित कई वन्य प्राणियों के विचरण का प्रमुख क्षेत्र है।गौरतलब है कि मुंगेली जिले का सिहावल क्षेत्र मनियारी नदी का उद्गम स्थल भी माना जाता है। इस अवसर पर कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार द्वारा राज्यपाल को जनजातीय कला पर आधारित स्मृति चिन्ह एवं प्राकृतिक कोसे से निर्मित शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर फील्ड डायरेक्टर अभिषेक सिंह, एडीसी ओम भविष्यकर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, डीडी एटीआर, यू आर गणेशन, सीईओ जिला पंचायत प्रभाकर पांडेय सहित, स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण, फूड एवं राजस्व सहित अन्य विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

लखपति दीदी बनीं चित्ररेखा:संघर्ष से आत्मनिर्भरता की प्रेरक कहानी

बिलासपुर। जनपद पंचायत बिल्हा के भैंसबोड क्लस्टर के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत नगपुरा की संस्कार समूह से जुड़ी बिहान दीदी चित्ररेखा धुरी ने यह साबित कर दिया कि मजबूत इरादों और सरकारी योजनाओं के सहयोग से हर सपना साकार किया जा सकता है। सीमित संसाधनों के बीच जीवनयापन कर रहीं चित्र रेखा ने स्व सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने की राह चुनी और आज वे लखपति दीदी के रूप में पहचानी जा रही हैं, चित्रेखा ने आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए सरकारी योजनाओं को बड़ा संबल बताया उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का जन हितैषी योजनाओं के लिए आभार जताया है, जिससे हर वर्ग लाभान्वित हो रहा है। समूह में जुड़ने से पूर्व बिहान दीदी चित्रेखा धुरी के परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद सामान्य थी। घरेलू जिम्मेदारियों के साथ परिवार के लिए आय के सीमित साधन होने के कारण अक्सर चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। ऐसे समय में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की बिहान योजना के तहत संस्कार समूह ने उन्हें न केवल आर्थिक सहयोग दिया, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ाया। समूह से ऋण प्राप्त कर उन्होंने ई-रिक्शा खरीदा और संचालन की

जिम्मेदारी अपने पति को दी। यह कदम उनके जीवन में एक बड़ा बदलाव लेकर आया। ई-रिक्शा संचालन से नियमित आय होने लगी तो उन्होंने सिलाई कार्य भी शुरू किया। गांव की महिलाओं और बच्चों के कपड़े सिलकर अतिरिक्त आमदनी अर्जित करने लगीं। इसके साथ ही घर के पास सब्जी बाड़ी तैयार कर मौसमी सब्जियों का उत्पादन भी शुरू किया, जिससे परिवार की जरूरतें पूरी होने के साथ बाजार में बिक्री से लाभ भी मिलने लगा। तीनों कार्यों से आय के स्रोत मजबूत हुए और धीरे-धीरे उनकी वार्षिक आय लाख रुपये से अधिक हो गई। आज चित्र रेखा धुरी आर्थिक रूप से सशक्त हैं और आत्मनिर्भरता की मिसाल बन चुकी हैं।

लू से बचने स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया एडवाइजरी...

बिलासपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा बढ़ती गर्मी और लु के खतरे से बचने के लिए विभिन्न उपायों और दिशा निर्देश जारी किए हैं। आगामी महीनों में पड़ने वाली गर्मी से लु का खतरा और बढ़ जाता है जिससे लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बताया कि धूप और गर्मी में ज्यादा देर रहने के कारण शरीर में पानी और नमक की कमी हो जाती है। जिससे लु लगने का खतरा होता है। लु के लक्षण - स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि लु लगने से सिर में भारीपन और दर्द होने लगता है, तेज बुखार के साथ मुंह सूखने लगता है, चक्कर और उल्टी आना, कमजोरी के साथ पूरे शरीर में दर्द होना, शरीर का तापमान अधिक होने कारण पसीने का न आना, अधिक प्यास लगना और पेशाब कम आना, भूख कम लगना और बेहोश होना आदि लक्षण दिखाई देने लगते हैं। लू से बचाव -धूप में बाहर निकलने से पहले सर व कानों को कपड़े से अच्छे से बांध लें, बहुत अनिवार्य हो तो ही घर से बाहर निकले, पानी अधिक पीयें, ज्यादा समय तक धूप में न रहे, गर्मी के समय नरम व सूती कपड़े पहने ताकि हवा और कपड़े पसीने को सोखते रहे, अधिक पसीना आने पर ओ.आर.एस. का घोल पीए, चक्कर और उल्टी आने की स्थिति पर छाया वाली जगह पर आराम कर पानी और पेय पदार्थ का सेवन करें, प्रारंभिक सलाह के लिए 104 आरोग्य केन्द्र से निःशुल्क परामर्श लें, उल्टी, सर दर्द, तेज बुखार होने पर निकट के अस्पताल या स्वास्थ्य केन्द्र में जरूरी सलाह आवश्यक ले।

बिलासपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राम गोपाल गर्ग ने किया गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले का एक दिवसीय दौरा

बिलासपुर। दिनांक 06/03/26 को बिलासपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री राम गोपाल गर्ग द्वारा जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही का एकदिवसीय भ्रमण किया गया। इस दौरान उनके द्वारा सर्वप्रथम पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों, थाना/चौकी प्रभारियों की मीटिंग लेकर लंबित अपराधों, मर्गों के वैज्ञानिक तकनीकी के माध्यम से साक्ष्य संकलन के कर त्वरित निकाल, थाना/चौकी प्रभारियों के द्वारा पीड़ितों की शिकायत स्वयं सुनकर समुचित वैधानिक कार्यवाही करने, गंभीर अपराधों की विवेचना स्वयं करने एवं संपत्ति सम्बन्धी अपराधों में तत्काल एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही करने के सम्बन्ध में सख्त हिदायत दी गयी पुलिस अधीक्षक कार्यालय के विभिन्न शाखाओं के निरीक्षण में सभी शाखा प्रभारियों को रिकॉर्ड के समुचित संधारण, पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों के वेलफेयर सम्बन्धी विषयों में त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए इसके पश्चात पुलिस अधीक्षक कार्यालय तथा पुलिस कण्ट्रोल रूम के निर्माणाधीन बिल्डिंग का निरीक्षण कर समय सीमा में निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए भ्रमण दौरान थाना गौरेला के निरीक्षण में थाना में उपस्थित स्टाफ को सशक्त एप के माध्यम से अधिक से अधिक वाहनों को सर्च कर चोरी हुए वाहनों की पता

तलाश करने, बीट प्रणाली को सशक्त कर आवश्यक सूचना संकलन करने, अनुभव क्यू आर कोड का अधिकाधिक प्रचार करने, साइबर प्रहरी व्हाट्सएप्प ग्रुप के माध्यम से साइबर जागरूकता लाने तथा थाने में लंबित अपराधों, मर्गों, शिकायतों का समयबद्ध ढंग से निकाल करने हेतु निर्देशित किया तत्पश्चात साइबर सेल का निरीक्षण कर साइबर अपराधों के निकाल करने, नेटग्रिड, समन्वय पोर्टल, क्राइमैक पोर्टल के अधिकाधिक प्रयोग करने हेतु निर्देशित किया ग्राम अमरपुर स्थित पुलिस रक्षित केंद्र का निरीक्षण कर रक्षित निरीक्षक को बल एवं संसाधनों के व्यवस्थित रखरखाव, पुलिस वाहनों के मैंटेनेंस पर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देशित किया इस अवसर पर जिले के पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार खिलारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं सभी अनुविभागीय पुलिस अधिकारी, थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी एवं अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में रोड ओवर ब्रिज पर भारी गर्डर स्थापित करने में अपनाई गई अभिनव तकनीक

- गति शक्ति इकाई, नागपुर द्वारा 760 मीट्रिक टन वजनी बो-स्ट्रिंग गर्डर का सफलता पूर्वक लॉन्चिंग
- भारतीय रेल में पहली बार 1600 मीट्रिक टन क्षमता की क्रॉलर क्रेन से इतने भारी बो-स्ट्रिंग गर्डर की स्थापना

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की गति शक्ति इकाई, नागपुर द्वारा रेलवे अवसंरचना विकास के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि हासिल की गई है। मध्य प्रदेश के बालाघाट वारासिवनी रेलखंड पर समपार संख्या क्रा-25 के स्थान पर बनाए जा रहे रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण के दौरान 72 मीटर स्पान तथा लगभग 760 मीट्रिक टन वजनी बो-स्ट्रिंग गर्डर को अभिनव तकनीक के माध्यम से सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। घनी आबादी वाले वारासिवनी क्षेत्र में सीमित कार्यस्थल, स्क्यू एलाइनमेंट, रेलवे लाइन के समीप भवनों की उपस्थिति तथा परिचालन सुरक्षा जैसी चुनौतियों के कारण पारंपरिक विधि से गर्डर लॉन्चिंग करना अत्यंत कठिन था। सामान्यतः ऐसी स्थिति में गर्डर की एंड-लॉन्चिंग प्रक्रिया अपनाई जाती है, जिसमें लंबी अवधि तक गति प्रतिबंध लगाना पड़ता है तथा कई ट्रैफिक ब्लॉक लेने पड़ते हैं, जिससे ट्रेन परिचालन प्रभावित होता है। इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने एक अभिनव इंजीनियरिंग समाधान अपनाया। इसके अंतर्गत 1600 मीट्रिक टन क्षमता वाली क्रॉलर माउंटेड क्रेन का उपयोग करते

हुए 760 मीट्रिक टन वजनी बो-स्ट्रिंग गर्डर को सीधे उठाकर निर्धारित स्थान पर स्थापित किया गया। इस अत्याधुनिक भारी-उठान तकनीक के उपयोग से पूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित योजना और समन्वय के साथ केवल एक ट्रैफिक-कम-पावर ब्लॉक में ही पूरा कर लिया गया, जिससे रेल परिचालन पर किसी प्रकार का दीर्घकालिक प्रभाव नहीं पड़ा। इस नवाचार से कई महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त हुए हैं। लगभग 30 दिनों तक संभावित गति प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता समाप्त हो गई तथा अनेक ट्रैफिक ब्लॉकों के स्थान पर केवल एक ही ब्लॉक में कार्य पूर्ण किया गया, जिससे ट्रेन परिचालन की समयबद्धता और विश्वसनीयता बनी रही। इसके साथ ही यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए भीड़भाड़ वाले शहरी क्षेत्रों में भारी पुल गर्डर स्थापित करने की आधुनिक तकनीक का सफल प्रयोग किया गया। यह दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे तथा भारतीय रेल में पहली बार है जब इतने भारी बो-स्ट्रिंग गर्डर को स्थापित करने के लिए 1600 मीट्रिक टन क्षमता की क्रॉलर क्रेन का उपयोग किया गया है। यह उपलब्धि रेलवे में रोड ओवर ब्रिज निर्माण की आधुनिक पद्धतियों के लिए एक नया मानक स्थापित करती है तथा भविष्य में घनी आबादी वाले क्षेत्रों में अवसंरचना परियोजनाओं के तेज, सुरक्षित और कुशल क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त करेगी। श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन में इस प्रकार की आधुनिक तकनीकों और नवाचारों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

आयुक्त,रेलवे सेफ्टीद्वारा सारागांव देवरी बाराद्वार जेठा सक्ती के मध्य नई विद्युतीकृत चौथी रेल लाइन का विस्तृत निरीक्षण किया

बिलासपुर। रेल अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण तथा ट्रेनों के सुरक्षित, तीव्र और सुचारु परिचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में नई रेल लाइनों के निर्माण, दोहरीकरण तथा तृतीय एवं चतुर्थ रेल लाइन परियोजनाओं पर तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में बिलासपुर झारसुगुड़ा रेल खंड के मध्य लगभग 206 किलोमीटर लंबी विद्युतीकृत चौथी रेल लाइन का निर्माण कार्य चरणबद्ध तरीके से पूर्ण किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत सारागांव देवरी बाराद्वार जेठा सक्ती स्टेशनों के मध्य 22.2 किलोमीटर लंबी नई विद्युतीकृत चौथी रेल लाइन का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। इंटरलॉकिंग सहित सभी आवश्यक तकनीकी कार्यों की पूर्णता के उपरांत दक्षिण पूर्व सर्किल के आयुक्त, रेलवे सेफ्टी श्री बी.के. मिश्रा द्वारा 05 एवं 06 मार्च 2026 को इस नई रेल लाइन का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण की शुरुआत सारागांव देवरी स्टेशन से की गई, जहाँ आयुक्त ने स्टेशन के केबिन, पैनल रूम तथा यार्ड का बारीकी से निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों से तकनीकी जानकारी प्राप्त की। इसके पश्चात उन्होंने निरीक्षण दल के साथ सारागांव देवरी बाराद्वार जेठा सक्ती के मध्य नई चौथी लाइन का मोटर ट्रॉली से निरीक्षण किया।

कोलेस्ट्रॉल कम करने के सरल उपाय हैं पान के पत्ते

खून की नसों में चिपका यह गंदा पदार्थ हार्ट अटैक की वजह बन सकता है इसलिए इसे खत्म करना जरूरी है, पान के पत्ते कोलेस्ट्रॉल कम करने के सरल उपाय है, बस आपको इन्हे खाने का सही तरीका पता होना चाहिए।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। रक्त वाहिकाओं में जमने वाला यह गंदा पदार्थ दिल के रोगों का सबसे बड़ा कारण है। ध्यान रहे कि दिल के रोगों की वजह से पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा मौत होती है। इसका मतलब यह है कि इस गंदे जहरीले पदार्थ से छुटकारा पाकर आप दिल के रोगों, हार्ट अटैक, स्ट्रोक और खून की नसों से जुड़े रोगों का जोखिम कम कर सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल क्या है और इसके क्या लक्षण हैं?

यह मोम की तरह चिपचिपा पदार्थ होता है, जो आपके द्वारा खाए जाने वाले फैट से भरपूर खाद्य पदार्थों से निकलता है। बेशक आपका लिवर भी इसे बनाता है लेकिन इसकी अधिक मात्रा सेहत के लिए घातक है। यह दो तरह का होता है गुड कोलेस्ट्रॉल और बैड कोलेस्ट्रॉल। शरीर के लिए जो घातक है, वो बैड कोलेस्ट्रॉल है। समस्या यह है कि कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के शुरूआती कोई संकेत नहीं होते है, जब तक पता चलता है कि तब नसें ब्लॉक हो चुकी होती हैं।

कोलेस्ट्रॉल कम करने के उपाय क्या है?

इस गंदे पदार्थो को जमने या खत्म करने का आसान तरीका नियमित रूप से एक्सरसाइज करना और फैट से भरपूर चीजों से तौबा करना है। कोलेस्ट्रॉल के मरीजों को इसे कंट्रोल में रखने के लिए ताउम्र दवाएं भी खानी पड़ती है। अगर आप दवाओं से बचना चाहते है, तो आपको कोलेस्ट्रॉल कम करने के घरेलू उपाय के रूप में पाने के पत्ते का इस्तेमाल कर सकते हैं क्योंकि इससे बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिलती है.

कोलेस्ट्रॉल का दुश्मन है पान के पत्ते

कोलेस्ट्रॉल कम करने के सबसे बेस्ट तरीका वैसे तो एक्सरसाइज करना और हेल्दी डाइट लेना है लेकिन आप इसके लिए कुछ घरेलू उपाय भी आजमा सकते हैं। बैड कोलेस्ट्रॉल कम करने का एक सबसे सरल और सस्ता उपाय पान के पत्ते हैं। एक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने माना है कि इन हरे पत्तों में बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने की क्षमता होती है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि पाने के पत्ते में विषाक्त पदार्थों को कम करने की क्षमता होती है। पाने के पत्ते एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट के रूप में काम कर कर सकते हैं। अपने अध्ययन में उन्होंने पान के पत्तों की एंटी-ऑक्सीडेंट एक्टिविटी का मूल्यांकन किया। उन्होंने यह पता लगाने की कोशिश की क्या यह गंदे कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकता है या नहीं।

पान के पत्ते कम कर सकते हैं गंदा कोलेस्ट्रॉल

अपने अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि पान के पत्ते इन विट्रो में स्वरुकोलेस्ट्रॉल के ऑक्सीकरण को रोकने में सक्षम थे और मैक्रोफेज में लिपिड संचय को कम करने में सक्षम थे।

पान के पत्ते कैसे कम करते हैं कोलेस्ट्रॉल

पान के पत्तों में यूजेनॉल पाया जाता है जोंकि एक नैचुरल एंटीऑक्सिडेंट है, जो फ्री रेडिकल्स को बेअसर करता है। यूजेनॉल लिवर में कोलेस्ट्रॉल को बनने से रोकता है और आंत में लिपिड अवशोषण को कम करता है।

कैसे करें पान के पत्तों का सेवन

अधिकतर लोग पान खाने को एक गलत आदत मानते हैं। इसे स्वास्थ्य के लिए खराब माना जाता है। वास्तव में इसे खाने का तरीका गलत है, जो सेहत के लिए खतरनाक है क्योंकि अधिकतर लोग पान में तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थ डालकर खाते हैं। दरअसल पान के हरे पत्ते सेहत के लिए ठीक है। इन हरे पत्तों में विभिन्न तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसके सेवन का सबसे बेहतर तरीका सिर्फ हरे पत्तों का चबाना या इनका रस पीना है, जैसे कि शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में इस्तेमाल किया।

पान के पत्ते के पोषक तत्व या गुण

पान के पत्तों में सिर्फ एंटीऑक्सिडेंट गुण नही पाए जाते बल्कि यह शरीर के लिए जरूरी कई जरूरी पोषक तत्वों का भी खजाना है। यह आयोडीन, पोटैशियम, विटामिन ए, विटामिन बी-1, निकोटिनिक एसिड, विटामिन सी, कैल्शियम, फाइबर और मिनरल्स आदि का बढ़िया स्रोत है।

पान के पत्तों के अन्य स्वास्थ्य लाभ

कोलेस्ट्रॉल कम करने के अलावा पान के पत्तों में ब्लड शुगर कम करने, कैंसर का जोखिम कम करने, घाव को जल्दी ठीक करने, तनाव दूर करने, अस्थमा का इलाज करने, ओरल हेल्थ को बढ़ावा देने, पाचन समस्याओं को खत्म करने की भी क्षमता होती है।

आंखों की समस्याओं को गंभीरता से लें

इस खूबसूरत दुनिया को देखने के लिए हमारा साथ देती हैं आंखें। हालांकि अक्सर लोग अपनी आंखों के प्रति काफी ज्यादा हल्के में लेते हैं। आंखों का लाल होना, आंखों से पानी आना, धुंधला दिखना और ड्राई आंखों जैसे लक्षणों को अक्सर मामूली समस्याओं के रूप में नजरअंदाज कर दिया जाता है, कई लोग इन बीमारियों के लिए घरेलू इलाज कर लेते है तो कुछ मेडिकल शॉप से दवाई ले आते हैं। ऐसे में इन परेशानियों को गंभीरता से नहीं लिया जाता है। हालांकि इनमें से अधिकाश लक्षण अपने आप ठीक हो जाते हैं, लेकिन कई मामलों में अगर यूहीं छोड़ दिया जाए तो वे अंधेपन से लेकर मृत्यु तक की गंभीर परेशानिया पैदा कर सकते हैं।

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक रिपोर्ट की मानें तो अधिकाश ओकुलर संक्रमण मामूली होते हैं, वहीं दूसरे काफी जटिल होते हैं। अधिकांश मरीज या तो ओकुलर डिस्चार्ज, विजुअल लक्षण, लाल या दर्दनाक आंख के साथ होते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ रोग और संक्रमण पहले आंख के लक्षण के रूप में हो सकते हैं क्योंकि आंखे शरीर का एकमात्र अंग है जहां न्यूरॉन्स और रक्त वाहिकाओं को सीधे देखा जा सकता है और इसलिए किसी भी बीमारी का पहला लक्षण आंखों में नजर आता है।

राइनो ऑर्बिटल सेरेब्रल म्यूकोर्मिकोसिस

आम भाषा में इसे ब्लैक फंगस के रूप में जाना जाता है, यह म्यूकोरेल्स के कारण होने वाला एक असामान्य संक्रमण है और इसकी हाई मोर्बिडिटी और मोरटेलिटी रेट। यह मुख्य रूप से डायबिटीज, कैंसर, पोस्ट ऑर्गन ट्रांस्प्लांट के बाद क्रोनिक स्टेरॉयड थेरेपी वाले रोगियों में होता है और हाल ही में इसे गंभीर कोविड संक्रमण वाले पेशेंट में भी देखा गया था। फंगस नाक के जरिए से एंटर करने वाली ब्लड वेसेल्स पर आक्रमण करता है और साइनस और नेसल कैविटी में फैल जाता है। अगर समय पर ध्यान न दिया जाए तो ये दिमाग तक पहुंच जाता है, जो दिमाग के लिए घातक हो सकता है।

एस्परगिलोसिस

म्यूकोर्मिकोसिस के समान, ऑर्बिटल एस्परगिलोसिस इम्युनोकॉम्प्रोमाइज्ड रोगियों में होता है और नाक के बाद मे दिमाग तक पहुंचता है।

कंजंक्टिवाइटिस (गुलाबी आंख)

कंजक्टिवा टिश्यू की एक पतली परत होती है जो आंखो के सफेद हिस्से और पलकों के अंदरूनी हिस्से को ढकती है। कंजक्टिवाइटिस को कंजक्टिवा के संक्रमण या सूजन के रूप में वर्णित किया जा सकता है। इसके लक्षण खुजली और पानी बहना है।

ब्लेफेराइटिस

यह पलकों की सूजन है, और बैक्टीरिया के संक्रमण, एलर्जी, पलकों में तेल ग्रंथियों के बंद होने और स्किन की कुछ स्थितियों के कारण देखा जाता है। किसी को लाल और पलकों की सूजन, जलन और पानी बहता है। आंखों के चारों ओर परतदार स्किन जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। ब्लेफेराइटिस से अंधापन नहीं होगा, लेकिन यह कई अन्य परेशानियों को पैदा कर सकता है जैसे कि पलकें गिर सकती हैं।

यूवाइटिस

यह यूविया आईरिस युक्त नेत्रगोलक की मध्य परत की सूजन है। यह सोरायसिस, दाद संक्रमण, या रुमेटीइड गठिया जैसी स्थितियों से जुड़ा है। किसी को धुंधली दिखने, आंखों की लाली और फ्लोटर्स जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

केराटाइटिस

इसे कॉर्निया की सूजन या संक्रमण के रूप में जाना जाता है। लेंस का दुरुपयोग संक्रमण का कारण हो सकता है। लंबे समय तक लेंस पहनने, उनकी सफाई न करने से कॉर्निया में कीटाणुओं के आने का खतरा बढ़ सकता है। इसका तुरंत इलाज न करने से कॉर्निया पर निशान पड़ सकते है और नजरें खराब हो सकती है।

दूध में तुलसी की पत्तियां डालकर पिएं

दूध पोषण के लिहाज से अमृत के समान है और तुलसी को औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है जो आपकी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर कई रोगों से आपकी रक्षा करती है। इन दोनों का मिश्रण कर लिया जाए, तो पोषण के साथ-साथ सेहत और उससे जुड़े कई फायदे पाए जा सकते है। अब जब भी आप दूध पिएं, उसमें तुलसी की पत्तियां डालें और पाएं यह फायदे -

- दमा के मरीजों के लिए यह उपाय फायदेमंद है। खास तौर से मौसम में बदलाव होने पर होने वाली सांस संबंधी समस्याओं से बचने के लिए दूध और तुलसी का यह मिश्रण बेहद लाभकारी होता है।
- सिर में दर्द या माइग्रेन की समस्या होने पर यह उपाय आपको राहत देगा। जब भी माइग्रेन का दर्द हो आप इसे पी सकते हैं, रोजाना इसका सेवन करने से आपकी समस्या भी खत्म हो सकती है।
- तनाव अगर आपके जीवन का भी अभिन्न अंग बन गया है, तो दूध में तुलसी के पत्तों को उबालकर पिएं, आपका तनाव दूर होगा और धीरे-धीरे तनाव की समस्या ही समाप्त हो जाएगी।
- हृदय की समस्याओं में भी यह लाभदायक है। सुबह खाली पेट इस दूध को पीने से हृदय संबंधी रोगों में लाभ पाया जा सकता है। इसके अलावा यह किडनी में होने वाली पथरी के लिए भी अच्छा उपचार है।
- तुलसी में कैंसर कोशिकाओं से लड़ने का गुण होता है, अत: इसका सेवन आपको कैंसर से बचा सकता है। इसके अलावा सर्दी के कारण होने वाली सेहत समस्याओं में भी यह कारगर उपाय साबित होगा।

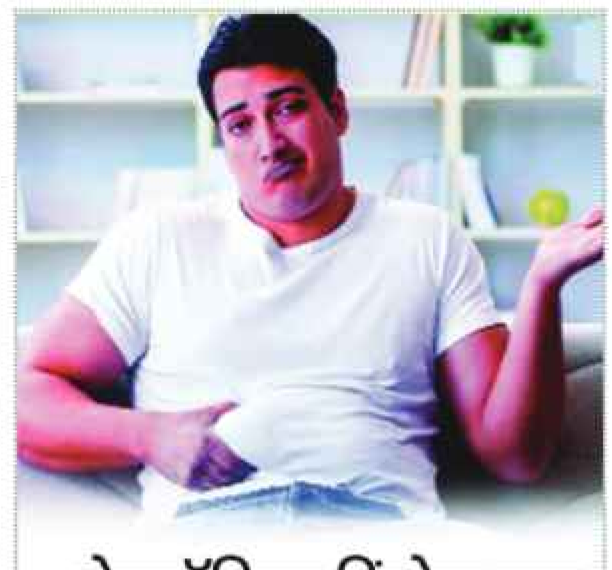

मेटाबॉलिक सिंड्रोम बढ़ा सकता है ब्लड प्रेशर और मोटापे का खतरा

स्टडी में यह भी सामने आया कि सीओपीडी के शिकार 46.3 फीसदी पुरुष पहले सिगरेट पीते थे लेकिन जब उन्हे बीमारी हुई, तब उन्हें सिगरेट छोड़े कई साल बीत चुके थे। स्टडी में सिर्फ 13.4 फीसदी स्मोकर्स में सीओपीडी मिली।

पतियों का शौक पत्नियों को बीमार कर रहा है। मेडिकल कॉलेज की एक स्टडी के मुताबिक सीओपीडी (क्रॉनिक ऑब्सट्रेक्टिव पल्मोनरी डिसीज) ग्रस्त महिलाओं में से 55 प्रतिशत को यह बीमारी उनके चेन स्मोकर पतियों की वजह से हुई। लगातार धुएं से वह पैसिव स्मोकर बन गई और खतरनाक सीओपीडी ने उन्हें चपेट में ले लिया। इनमें से ज्यादातर में मेटाबॉलिक सिंड्रोम भी पाया गया है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के चेस्ट विभाग की टीम ने यह स्टडी की, जिसमें सीओपीडी के 170 मरीजों को शामिल किया गया। दो साल तक लगातार इन मरीजों पर स्टडी हुई। परिणाम ने यह भ्रम तोड़ दिया है कि धूम्रपान न करने वाले सीओपीडी से बच सकते हैं। स्टडी में 46 फीसदी मरीज नॉन स्मोकर मिले। इनकी उम्र 35 से 87 साल के बीच थी। स्टडी में शामिल नॉन स्मोकर महिलाओं में 55 फीसदी के पति या घर का कोई पुरुष सदस्य चेन स्मोकर निकला। बाकी महिलाएं लंबे समय से बायोमास फ्यूल का इस्तेमाल कर रही थी।

सिगरेट छोड़ने के बरसों बाद बीमारी

स्टडी में यह भी सामने आया कि सीओपीडी के शिकार 463 फीसदी पुरुष पहले सिगरेट पीते थे लेकिन जब उन्हें बीमारी हुई, तब उन्हें सिगरेट छोड़े कई साल बीत चुके थे। स्टडी में सिर्फ 134 फीसदी स्मोकर्स में सीओपीडी मिली।

हर मरीज में मिला मेटाबॉलिक सिंड्रोम

स्टडी में सीओपीडी के हर मरीज मे मेटाबॉलिक सिंड्रोम मिला। स्टेज वन में कम तो स्टेज टू और थ्री में ज्यादा मरीज मिले। मेटाबॉलिक सिंड्रोम की स्टेज फोर में सबसे कम मरीज थे।

मेटाबॉलिक सिंड्रोम कोई बीमारी नहीं बल्कि स्थिति है। इसमें शरीर में रोग के कारक बढ़ जाते हैं। हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, मोटापा और अनियंत्रित कोलेस्ट्रॉल इन चारों के संयुक्त रूप को मेटाबॉलिक सिंड्रोम कहते हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम की कंडीशन होने पर हाई बीपी की समस्या, हाई शुगर, और कमर पर एक्स्ट्रा फैट जम जाता है। इसके साथ ही मेटाबॉलिक सिंड्रोम होने पर कोलेस्ट्रॉल लेवल असामान्य तरीके से बढ़ जाता है। सिंड्रोम के कारण हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। जरूरी दवाओं के साथ लाइफस्टाइल में बदलाव करने से आप इस समस्या से बाहर निकल सकते हैं।

स्टडी के चीफ गाइड प्रो सुधीर चौधरी के मुताबिक बीपी, शुगर, मोटापा और कोलेस्ट्रॉल का असंतुलित होना सिंड्रोम है, जो कई बड़े रोगों की वजह बनता है। हार्ट, किडनी और ब्रेन की बीमारियां हो सकती हैं। किसी भी संक्रमण के लिए ऐसा शरीर आसान शिकार बनता है। मानक से असंतुलन होने पर मरीज को इस सिंड्रोम से ग्रस्त माना जाता है।

स्टडी ने यह साबित किया है कि सीओपीडी नॉन स्मोकर्स को भी हो सकती है। सिगरेट और उसके प्रदूषण के साथ बायोमास फ्यूल एक्सपोजर से सीओपीडी बीमारी मरीजों में मिली। घरेलू महिलाओं ने कभी धूम्रपान नहीं किया, फिर भी उन्हें यह बीमारी मिली ।

डिप्रेशन से छुटकारा पाने में आपकी मदद करेंगी ये चीजें

डिप्रेशन या अवसाद एक मानसिक बीमारी है जिसे ज्यादातर लोग ठीक तरह से समझ नही पाते है। यदि कोई व्यक्ति अवसाद से ग्रस्त है तो उसे क्या खाना चाहिए और क्या नहीं? इस बात का ध्यान रखा जाना बेहद जरूर है। अवसाद के कारण और लक्षणों को ध्यान में रखते हुए आप अपने आहार में कुछ ऐसी चीजों को शामिल कर सकते हैं जो इससे बाहर निकलने में आपकी मदद करें।

कैमोमाइल

कई लोग कैमोमाइल चाय का सेवन करते हैं, क्योंकि इसमें सूजन-रोधी, बैक्टीरिया-रोधी, एंटीऑक्सीडेंट और आराम देने वाले गुण होते हैं। ऐसा माना जाता है कि कैमोमाइल में मौजूद फ्लेवोनॉयड्स की वजह से ही इसमें अवसाद को कम करने की शक्ति होती है। कैमोमाइल चिंता के लक्षणों को कम कर सकता है।

दही

दही में लैक्टोबैसिलस और बिफिडोबैक्टीरिया नामक स्वस्थ बैक्टीरिया होते हैं। कई अध्ययनों में सामने आया है कि ये दोनों बैक्टीरिया मस्तिष्क पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। रोजाना दही का सेवन कर चिंता, अवसाद और स्ट्रेस को कम किया जा सकता है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी में थायमिन नामक अमीनो एसिड होता है जो कि मूड से जुड़े विकारों को ठीक करने की शक्ति रखता है। थायमिन में अवसाद-रोधी और दिमाग को आराम देने वाले गुण होते हैं एवं यह सेरोटोनिन और डोपामाइन के उत्पादन में भी वृद्धि करता है। अवसाद से निपटने के लिए आप बड़ी आसानी से अपनी जीवनशैली में ग्रीन टी को शामिल कर सकते हैं।

एवोकैडो

मूड को बेहतर करने वाले सेरोटोनिन को एवोकैडो से भी बढ़ाया जा सकता है। इसमें विटामिन-बी के अलावा थायमिन, राइबोफ्लेविन और नियासिन होता है जो कि तंत्रिका तंत्र पर सकारात्मक असर डालता है। इन विटामिनों की कमी की वजह से कुछ लोगों में चिंता यानी एंग्जयाटी के मामले सामने आए हैं।

कद्दू के बीज

कद्दू के बीज पोटाशियम का उत्तम स्रोत होते हैं जो कि शरीर में इलेक्ट्रोलाइट को संतुलित रखने और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने मे मदद करता है। कद्दू के बीज स्ट्रेस और चिंता के लक्षणों को कम करने की शक्ति रखते हैं। डिप्रेशन के कारण और लक्षणों की पहचान करने के आप अपने आहार में कद्दू के बीज जरूर शामिल करें। इनमें मिनरल जिंक भी होता है जो कि मूड को अच्छा रखता है। स्वस्थ व्यक्ति भी कद्दू के बीजों का सेवन कर सकते हैं।

सूखे मेवे

काजू, ब्राजील नट और हेजल नट में भी ओमेगा-3 फैटी एसिड भरपूर मात्रा में होता है। इसमें अखरोट का नाम सबसे ऊपर आता है। अखरोट मस्तिष्क को स्वस्थ रखने का काम करता है, क्योंकि इसमें प्रचुरता से पौधों से प्राप्त ओमेगा-3 होता है। ये प्रोटीन का भी बेहतरीन स्रोत है जिससे ब्लड शुगर के लेवल को संतुलित रखने में मदद मिलती है।

अंडे

अंडे की जर्दी विटामिन-डी का बेहतरीन स्रोत होती है। इसमें प्रोटीन भी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जिससे शरीर को सभी प्रकार के जरूरी अमीनो एसिड मिलते हैं। ये शरीर के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। अंडे में ट्रिप्टोफेन नामक अमीनो एसिड होता है जो कि सेरोटोनिन बनाने में मदद करता है। सेरोटोनिन एक कैमिकल न्यूरोट्रांसमीटर है जो कि मूड, नींद, याद्दाश्त और व्यवहार को नियंत्रित करने में सहायक होता है। ऐसा माना जाता है कि सेरोटोनिन मस्तिष्क के कार्य में सुधार लाने और चिंता से राहत दिलाने का भी काम करता है।

हल्दी

हल्दी में करक्यूमिन नामक तत्व होता है जो कि सूजन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस (शरीर में फ्री रेडिकल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स के बीच असंतुलन) को कम कर चिंता में कमी लाता है। मूड से जुड़े विकारों जैसे कि चिंता और डिप्रेशन में इन दोनों में अक्सर इजाफा आ जाता है।

लेट लतीफी का पर्याय बन चुकी है रायगढ़ जनशताब्दी

पिछले सप्ताह भर में तीन से चार घंटे रोज लेट पहुंच रही ट्रेन

रायगढ़। जिले में रेल यात्रियों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। बीते एक सप्ताह के आंकड़ों पर नजर डालें तो शायद ही कोई ऐसा दिन रहा हो जब प्रमुख यात्री ट्रेनें अपने निर्धारित समय पर रायगढ़ स्टेशन पहुंची हों। ट्रेनों की लेटलतीफी अब सामान्य स्थिति बन चुकी है, जिससे यात्रियों को घंटों प्लेटफार्म पर इंतजार करने को मजबूर होना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, जनशताब्दी एक्सप्रेस सप्ताहभर में एक भी दिन समय पर नहीं पहुंच सकी। वहीं शालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस, जिसका रायगढ़ पहुंचने का निर्धारित समय सुबह 7:10 बजे है, वह कई बार दोपहर 1 बजे तक भी नहीं पहुंची। हावड़ा-पुणे मेल अपने तय समय सुबह 6:45 बजे के बजाय करीब 6 घंटे की देरी से पहुंची, जिससे यात्री प्लेटफार्म पर परेशान होते नजर आए। इसी तरह अहमदाबाद सुपरफास्ट भी सुबह 8:40 बजे के निर्धारित समय के बजाय दोपहर बाद स्टेशन पहुंची। गौरतलब हो कि इस अव्यवस्था की बड़ी वजह मालगाड़ियों को दी जा रही प्राथमिकता है। रायगढ़ और आसपास का क्षेत्र कोयला एवं खनिज संपदा से समृद्ध है, जहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में मालगाड़ियां कोयला, लौह अयस्क और अन्य खनिजों का परिवहन करती हैं। इन मालगाड़ियों को बेरोक टोक परिचालन में कई मर्तबे यात्री ट्रेनों को ही आउटर में खड़ी कर दी जाती है। इस कारण यात्री ट्रेनों का समय पूरी तरह प्रभावित हो रहा है और देरी का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। माल परिवहन से रेलवे को अधिक राजस्व प्राप्त होता है, जिसके चलते यात्री सुविधाएं कहीं न कहीं पीछे छूटती नजर आ रही हैं। एक ओर रेलवे द्वारा स्टेशनों के रखरखाव और आधुनिकीकरण पर करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ट्रेनों की समयपालन व्यवस्था में कोई सुधार नहीं दिख रहा। यात्रियों का कहना है कि जब ट्रेनें समय पर ही नहीं चलेंगी तो बेहतर स्टेशन सुविधाओं का लाभ भी अधूरा ही रहेगा।लगातार हो रही देरी से यात्रियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। दैनिक यात्री, नौकरीपेशा लोग और छात्र सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं, जिनकी दिनचर्या पूरी तरह ट्रेनों के समय पर निर्भर रहती है।बहरहाल रेलवे द्वारा यात्री ट्रेनों की सुविधाओं मद किया जा रहा विस्तार किसी भी लिहाज से पर्याप्त साबित नहीं हो रहा।और रेल्वे का पूरा ध्यान मालवाहक ट्रेनों पर ही नजर आ रहा है।

कलेक्टर ने 13 दिव्यांगों को वितरित किया ट्रायसिकल

बल्लीराजहरा। कलेक्टर दिव्या मिश्रा के निर्देशानुसार जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी ने 02 मार्च को चलने-फिरने में हो रही असुविधा के कारण ट्राय सायकल की मांग लेकर पहुँचे 13 दिव्यांगजनों को बैटरी चलित ट्राय सायकल प्रदान किया। इस दौरान ग्राम रेंघई के दिव्यांग जीवनलाल, ग्राम कुम्हली के दिलीप कुमार, ग्राम केलाबाड़ी के गजानंद साहू, दल्लीराजहरा के संजू विश्वकर्मा, खेमिन, सावित्री साहू, लीला साहू, ग्राम बघमरा के झमित पटेल, ग्राम सोंहपुर की लता साहू, ग्राम परसाडीह के मुकेश कुमार, ग्राम सिवनी के हिरमोतिन निषाद, ग्राम सिकोसा के पीला साहू एवं ग्राम खुटेरी के पुसऊराम साहू को बैटरी चलित ट्राय साइकल प्रदान किया। इस दौरान सीईओ चंद्रवंशी ने दिव्यांगजनों से उनका कुशल क्षेम पूछा और नई ट्राय सायकल मिलने पर उन्हें शुभकामनाएं दी। दिव्यांगनजनों ने कलेक्टर दिव्या मिश्रा के निर्देशानुसार अपने मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु जनदर्शन में पहुँचने वाले लोगों के समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु जिला प्रशासन की बेहतर व्यवस्था की भूरी-भूरी सराहना की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं अजय किशोर लकरा, संयुक्त कलेक्टर मधुहर्ष, समाज कल्याण विभाग के उप संचालक अजय गेडाम सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

उप जेल में सात दिवसीय राजयोग मेडिटेशन की शुरुआत

बेमेतरा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय बेमेतरा द्वारा जिला जेल में बंदियों के लिए सात दिवसीय राजयोग मेडिटेशन शिविर का आयोजन किया जा रहा है,शिविर में ब्रह्माकुमारी शशि बहन जी, नेत्र चिकित्सक डॉ. ओंकार चंद्राकर , तहसील अधिकारी किशन मानिकपुरी , सहित जेल के स्टाफ उपस्थित रहे। बी. के. शशि बहन ने प्रथम दिवस सभी को स्वयं की पहचान, आत्मा का ज्ञान, मन में विचारों के 4 प्रकार, बुद्धि के कार्य, संस्कारों का प्रभाव तथा राजयोग अभ्यास से फायदे की जानकारी दी गई।। उन्होंने कहा कि आप सभी श्रेष्ठ आत्माएं हो, जिनको श्रेष्ठ कर्म करने के लिए परमात्मा ने इस सृष्टि रूपी रंगमंच पर भेजा है। व्यक्ति की पहचान उसके कर्मों से होती है। सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए संस्कारों को श्रेष्ठ बनाने की विधियां बताई गई जिसको अपना कर हम अपने जीवन में सहज ही संस्कार परिवर्तन कर सकते हैं क्योंकि संस्कार परिवर्तन से ही संसार परिवर्तन होगा कहा भी जाता है संकल्प से सृष्टि रची जाती है जैसा सोच वैसा जीवन तो हम पॉजिटिव सोचकर अर्थात मन पर अटेंशन देकर अपने श्रेष्ठ संस्कार बना सकते हैं क्योंकि जो कुछ भी मेरे साथ अच्छा या बुरा हो रहा है इसका दोषी कोई और नहीं वह मैं स्वयं हूं तो स्वयं को खुश एवं संतुष्ट रख श्रेष्ठ कर्म करने की जिम्मेवारी हम स्वयं लें कहा भी जाता है स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन आज यदि हर व्यक्ति अपने मन को सही दिशा प्रदान करें तो उसके बोल और कर्म निश्चित ही श्रेष्ठ होंगे इसलिए कहा जाता है जैसा बीज वैसा फल।

उन्होंने बताया कि हम एक चैतन्य आत्मा है। जब हम अपने असली स्वरूप को भूल, अपने को शरीर देखते वा समझते है, तो इसे ही देह अभिमान कहा जाता है। वास्तव मे, यह देह का भान ही सभी विकार और दुख का कारण है। देह के भान वाली आत्मा अपने को निर्बल महसूस करेगी, क्योंकि देह की शक्ति सीमित होती है, जैसे देह स्वयं भी सीमित है। तो अब परमात्मा कहते है - 'अपने को आत्मा-अभिमानी बनाओ, यह पुरुषार्थ करो। एक दूसरे को आत्मा देखो। आत्माभिमान (आत्मा की पहचान)- आनंदमय जीवन की अखूट कुंजी आत्म जागृति अर्थात स्वयं की वास्तविकता को जानना है जब हम आत्मा अभिमानी स्थिति मे थे, तो हम इस दुनिया के मालिक थे। आत्मा प्रकृति की मालिक अर्थात इस देह (शरीर) की मालिक थी। जैसे एक रथी रथ का मालिक होता है। सभी मे दिव्य गुण रहते थे, क्योंकि शांति, आनंद, प्रेम और पवित्रता - यह आत्मा के निजी संस्कार है जो हमे परमपिता परमात्मा से मिले है। तो जब हम आत्मा अभिमानी बने, तो सहज ही यह सभी गुण हम मे आ जाते है - जिससे हमारा जीवन मूल्यवान बनता है। जो कहा जाता है - मनुष्य जीवन अति मूल्यवान जीवन है - यह अभी के समय के लिए गायन है। उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज़ बेमेतरा द्वारा जिला जेल परिसर में बंदी भाईयों के जीवन उत्थान के लिए आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय ब्रह्माकुमारिज़ की सेवाकेंद्र प्रभारी बी.के. शशि बहन ने व्यक्त किया। इस अवसर पर लगभग 100 बंदियों सहित जिला जेल स्टाफ सम्मिलित हुए, सभी ने मेडिटेशन कर बहुत-बहुत आत्मिक शांति एवं खुशी का अनुभव किया और आगे यह राजयोग शिविर प्रतिदिन सुबह 8:30 बजे से 10:00 बजे तक चलेगा जिसका लाभ सभी कैदी भाई ले सकेंगे एवं अपने जीवन को एक श्रेष्ठ दिशा की ओर मोड़ सकेंगे।

श्री राम को आदर्श मानकर मानव जीवन को कृतार्थ करे : सुशील शर्मा

भाटापारा। कृषि ऊपज मंडी के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि सुशील शर्मा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के द्वारा नियुक्त को-ऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी निभाकर अपनी 22 दिनी चुनावी प्रचार असम प्रदेश के जिला दरंग प्रवास से वापस आने पर ग्राम रामपुर में आयोजित 5 दिवसीय रामायण समारोह में शामिल हुये इस अवसर पर ग्रामीणों ने सुशील शर्मा का बाजे गाजे के साथ जोरदार स्वागत किया। सुशील शर्मा ने उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुये कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपना कर मानव को इस कलयुगी समय में अपने जीवन को कृतार्थ करना चाहिये विधि के विधान को ईश्वर भी नहीं बदल पाये थे जो विधि के विधान में लिखा है उसका जीवन मे घटित होना आवश्यक है जैसे भगवान श्री कृष्ण राधा को प्रेम करते थे, और मीरा भगवान श्रीकृष्ण को चाहती थी लेकिन उनका विवाह रुक्मणी देवी के साथ होना निश्चित हुवा यही विधि का विधान है।

विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहेंगी जागृति यदु फाग एवं झांकी के कार्यक्रमों में होंगी शामिल

डोंगरगांव नगर। जिला पंचायत सभापति जागृति चुन्नी यदु 5 मार्च को विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहेंगी। इस दौरान यदु विभिन्न ग्रामों में आयोजित भव्य फाग एवं झांकी प्रतियोगिता के कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के बतौर शामिल होंगी। उल्लेखनीय है कि फाग उत्सव क्षेत्र की लोकसंस्कृति और परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। कार्यालय से जारी विज्ञप्ति के अनुसार उनके निर्धारित दौरा कार्यक्रम में ग्राम बम्हनी, कोकपुर, दर्राबांधा, तेंदुटोला, सांगिनकछार, तिलईरवार, अरसीटोला सहित अन्य ग्रामों का भ्रमण शामिल है। इन सभी ग्रामों में पारंपरिक फाग गीत, रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति एवं आकर्षक झांकियों का आयोजन किया जाएगा। स्थानीय कलाकारों द्वारा लोकनृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की विशेष प्रस्तुति भी दी जाएगी।

जनदर्शन में प्राप्त हुए 21 आवेदन, कई मामलों का मौके पर निराकरण

बेमेतरा। जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले जनदर्शन कार्य म के अंतर्गत कलेक्टरेट स्थित दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनदर्शन के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न मांगों, शिकायतों एवं समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर एवं समक्ष बुलाकर प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कई प्रकरणों का समाधान मौके पर ही किया गया।आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 21 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों का प्राथमिकता से निराकरण किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य आवेदनों को समय-सीमा (टीएल) पंजी में दर्ज कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

शराब बेचने एवं पिलाने वाले 49 आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही

बेमेतरा। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव एवं डीएसपी राजेश कुमार झा, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, एसडीओपी बेमेतरा भुषण एक्का, डीएसपी कौशिल्या साहू, डीएसपी शशीकला उईके के मार्गदर्शन मे बेमेतरा पुलिस द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों व अड्डेबाजी स्थलों पर सघन चेकिंग, फ्लैग मार्च और लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है। साथ ही अवैध शराब, गांजा, नशीली पदार्थों, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, बाउंड ओवर, गुंडा बदमाशों, फरार स्थायी वारंटियो, सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों, यातायात नियमो का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों तथा माईनर एक्ट के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही लगातार की जा रही है। इसी क्रम में विगत दो दिवस में* जिले के विभिन्न थाना/चौकी में होली त्यौहार से ठीक पहले सख्त कार्यवाही करते हुए आबकारी एक्ट के मामले में 49 आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई है। जिसमें अवैध रूप से शराब रखकर बिक्री करने, आम जगह पर शराब सेवन करने, शराब पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराने वाले 49 आरोपियों 01. नारद साहू उम्र 45 वर्ष, निवासी भिंभौरी, 02. कामता साहू उम्र 45 वर्ष, निवासी कोंगियाकला, 03. संतराम मांडले उम्र 55 वर्ष, निवासी मुठपुरा, 04. कुशाल बारले उम्र 40 वर्ष, निवासी कोदवा, 05. रामाधार साहू उम्र 52 वर्ष, निवासी मोहभट्ठा, 06. राजेश साहू ऊर्फ विक्की साहू उम्र 45 वर्ष, निवासी मोहभट्ठा, 07. कन्हैया कुम्भकार उम्र 25 वर्ष, निवासी खम्हरिया, 08. संतुराम सिन्हा उम्र 51 वर्ष, निवासी खम्हरिया, 09. राम लोचन साहू उम्र 33 वर्ष, निवासी खम्हरिया, 10. ललित सिन्हा उम्र 19 वर्ष, निवासी खम्हरिया, 11. सरजू निषाद उम्र 32 वर्ष, निवासी चमारी, 12. करण कुमार उम्र 21 वर्ष, निवासी गिधवा, 13. आशीष कुर्रे उम्र 20 वर्ष, निवासी कापापारा, 14. चुन्नू निषाद उम्र 20 वर्ष, निवासी मोहभट्ठा, 15. रामकलेश प्रजापति उम्र 38 वर्ष, निवासी रायपुर, 16. मोनू साहू उम्र 26 वर्ष, निवासी उमरावनगर, 17. संतोष कुमार उम्र 45 वर्ष, निवासी करही, 18. दुर्गेश यादव उम्र 58 वर्ष, निवासी कचहरीपारा बेमेतरा, 19. प्रेमलाल यदु उम्र 39 वर्ष, निवासी पथर्रा, 20. हरीश तुरकाने उम्र 21 वर्ष, निवासी पथर्रा, 21. घनश्याम वर्मा उम्र 31 वर्ष, निवासी बेमेतरा थाना व जिला बेमेतरा, 22. पुष्पराज कौशल उम्र 27 वर्ष, निवासी पेन्ड्रावन, थाना परपोडी, 23. परदेशी देवांगन उम्र 49 वर्ष, निवासी भेड़नी, 24. धर्मेन्द्र सिन्हा उम्र 24 वर्ष, निवासी टिपनी, थाना खम्हरिया, 25. प्रकाश यादव उम्र 24 वर्ष, निवासी टीपनी खम्हरिया, 26. फेकु राम साहू उम्र 35 वर्ष, निवासी बेलतरा, 27. केदार साहू उम्र 38 वर्ष, निवासी कटाई थाना चंदनू, 28. भानु प्रताप देवांगन उम्र 44 वर्ष, निवासी बेरला, 29. सूरज नेताम उम्र 31 वर्ष, निवासी रामपुर, 30. आनंद राम गंधर्व उम्र 51 वर्ष, निवासी वार्ड 11 बेरला, 31. हीरालाल देवांगन उम्र 35 वर्ष, निवासी बेरला, 32. प्रीतोष सिंह उम्र 30 वर्ष, निवासी नवागांव कला, थाना दाढी, 33. दीनदयाल साहू उम्र 55 वर्ष, निवासी दाढी, 34. मेला सिंह उम्र 70 वर्ष, निवासी जंगलपुर, 35. भारत निषाद उम्र 23 वर्ष, निवासी रजकुडी, 36. दिवाकर निषाद उम्र 23 वर्ष, निवासी रजकुडी, 37. चेतन साहू उम्र 23 वर्ष, निवासी रजकुडी थाना बेमेतरा, 38. इंद्रजीत नवरंगे उम्र 26 वर्ष, निवासी दमई, थाना बेमेतरा, 39. कृष्णा यादव उम्र 46 वर्ष, निवासी कंदई, 40. लाला साहू उम्र 25 वर्ष, निवासी देवरबीजा, 41. राजेश निर्मलकर उम्र 33 वर्ष, निवासी देवरबीजा, 42. सत्येन्द्र दास मानिकपुरी निवासी टेमरी, 43. बंटी मात्रे उम्र 22 वर्ष, निवासी टेमरी, 44. शंकर लाल निषाद उम्र 34 वर्ष, निवासी करमसेन, थाना नांदघाट, 45. माखन बंजारे उम्र 40 वर्ष, निवासी कापापारा मारो, 46. मनोज जांगडे उम्र 29 वर्ष, निवासी मातापारा नवागढ, 47. सौखी महिलांग उम्र 37 वर्ष, निवासी तिलकापारा नवागढ, 48. प्रीतम साहू उम्र 26 वर्ष,निवासी मठेली थाना नवागढ, 49. कुलदीप चतुर्वेदी निवासी कौडीया थाना नवागढ जिला बेमेतरा, कुल 49 आरोपियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। इसी क्रम में विगत दो दिवस में* जिले के विभिन्न थाना/चौकी में होली त्यौहार से ठीक पहले कड़ी कार्यवाही, माईनर एक्ट के तहत 181 व्यक्तियों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई हैं। जिसमें थाना बेमेतरा में 26 प्रकरण में 30 व्यक्ति, थाना नवागढ में 25 प्रकरण में 43 व्यक्ति, थाना नांदघाट में 04 प्रकरण में 05 व्यक्ति, थाना दाढी में 06 प्रकरण में 06 व्यक्ति, थाना खम्हरिया में 11 प्रकरण में 15 व्यक्ति, थाना साजा में 07 प्रकरण में 07 व्यक्ति, थाना नवागढ में 25 प्रकरण में 43 व्यक्ति, थाना बेरला में 32 प्रकरण में 58 व्यक्ति, थाना चंदनू में 02 प्रकरण में 02 व्यक्ति, चौकी खण्डसरा में 06 प्रकरण में 11 व्यक्ति, चौकी मारो में 11 प्रकरण में 11 व्यक्ति, के खिलाफ धारा 170, 126, 135 (3) बीएनएसएस के तहत 123 प्रकरण में 181 व्यक्ति के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किया गया।

जिसमें 15 आरोपियों को भेजा गया। बेमेतरा पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि* होली पर्व शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं। कानून व्यवस्था भंग करने या असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना दें। उक्त कार्रवाई से यह स्पष्ट हो गया है कि अवैध शराब, जुआ, सट्टा, नशीली पदार्थों में संलिप्त व्यक्तियों और आपराधिक गतिविधियों में लिप्त अपराधियों को अब बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस प्रशासन ने समाज में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है।

राजहरा खदान कर्मचारियों के परिजनों ने किया भिलाई इस्पात संयंत्र का भ्रमण

बल्लीराजहरा। भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा संचालित आप भी जानिए कार्यक्रम के अंतर्गत राजहरा खदान के कर्मचारियों की पत्नियों हेतु भिलाई इस्पात संयंत्र भ्रमण का सफल एवं गरिमामय आयोजन 27 फरवरी को किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य परिवारजनों को उस औद्योगिक प्रक्रिया से अवगत कराना था, जिसके माध्यम से दल्ली राजहरा की धरती से प्राप्त लौह अयस्क भिलाई में लोहा एवं उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात में परिवर्तित होता है। विदित हो कि दल्ली राजहरा से प्राप्त लौह अयस्क ही भिलाई इस्पात संयंत्र की जीवनरेखा है। यहां के श्रमिकों के अथक परिश्रम से निकला लौह अयस्क राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस दृष्टि से दल्ली राजहरा केवल एक खदान नहीं, बल्कि भिलाई इस्पात संयंत्र की सशक्त आधारशिला है। भिलाई प्रस्थान से पूर्व एम.बी.टी. सेंटर, दल्ली राजहरा के सभागार में महिलाओं को भ्रमण के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों एवं सुरक्षा मानकों की विस्तृत जानकारी दी गई। राजहरा खदान के महाप्रबंधक एस. बास्के ने औद्योगिक परिसर में अनुशासन, समूह में चलने, सुरक्षा उपकरणों के उपयोग एवं निर्धारित मार्गों के पालन पर विशेष बल दिया। इसके उपरांत सभी प्रतिभागियों का सामूहिक ग्रुप फोटो लिया गया तथा भ्रमण दल को बस द्वारा भिलाई के लिए रवाना किया गया। भिलाई पहुंचने पर एचआरडीसी सभागार में औपचारिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मानव संसाधन विभाग के कार्यपालक निदेशक पवन कुमार थे। अध्यक्षता खदान समूह के कार्यपालक निदेशक कमल भास्कर ने की। विशेष अतिथि के रूप में लौह अयस्क समूह राजहरा के मुख्य महाप्रबंधक आर.बी. गहरवार तथा मानव संसाधन विभाग के महाप्रबंधक (प्रभारी) जे.एन. ठाकुर उपस्थित रहे। जे.एन. ठाकुर ने कहा कि संयंत्र की परिस्थितियां भिन्न एवं अत्यंत तकनीकी है, जिसे प्रत्यक्ष देखने से एक नई अनुभूति प्राप्त होगी। आर.बी. गहरवार ने अपने उद्बोधन में रावघाट खदान के प्रारंभ होने से भिलाई इस्पात संयंत्र की क्षमता एवं सुदृढ़ होने की बात कहा। अध्यक्षीय उद्बोधन में कमल भास्कर ने कहा कि खदानों में कर्मचारी विपरीत परिस्थितियों धूप, वर्षा एवं खुले वातावरण में कठिन परिश्रम करते है तभी भिलाई इस्पात संयंत्र के मांग के अनुरूप लौह अयस्क की आपूर्ति करते है । मुख्य अतिथि पवन कुमार ने कहा कि इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य यह है कि परिवारजन स्वयं जाकर देखें और समझें कि किन परिस्थितियों में लौह अयस्क से इस्पात निर्माण किया जाता है । उन्होंने भ्रमण के दौरान सुरक्षा को सर्वोपरि रखने पर बल दिया। सुरक्षा अधिकारी नरेन्द्र राव द्वारा विस्तृत सुरक्षा जानकारी प्रदान की गई। धन्यवाद ज्ञापन मानव संसाधन विभाग दल्ली राजहरा के उप प्रबंधक गिरीश मढ़रिया ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक शैलेष पटनायक ने प्रभावी ढंग से किया।

भ्रमण के दौरान महिला दल ने सर्वप्रथम धमनभट्ठी क्रमांक8 का अवलोकन किया, जहां दल्ली राजहरा के लौह अयस्क को आधुनिक एवं स्वचालित प्रणाली द्वारा गलाया जाता है। इसके पश्चात एस एम एस3 में आयरन के शुद्धिकरण की प्रक्रिया को देखा। यूनिवर्सल रेल मिल में 130 मीटर लंबी रेल पांत का निर्माण प्रत्यक्ष देखा गया, जिसे वेल्डिंग द्वारा 260 मीटर तक विस्तारित किया जाता है, जो विश्व की सबसे लंबी रेल पांतों में से एक है। प्लेट मिल में प्लेट निर्माण की प्रक्रिया ने भ्रमण दल को विशेष रूप से प्रभावित किया। इसके अतिरिक्त कोक ओवन का भी अवलोकन कराया गया। महिला भ्रमण दल को दल्ली राजहरा से भिलाई ले जाने एवं संयंत्र भ्रमण कराने में श्रम कल्याण अधिकारी संतराम साहू एवं घनश्याम पारकर का विशेष योगदान रहा। सहयोगी के रूप में दिनेश्वरी एवं अनिता की सक्रिय भूमिका रही। भ्रमण के उपरांत कर्मचारियों की पत्नियों ने लौह अयस्क समूह के मुख्य महाप्रबंधक आर बी गहरवार के समक्ष अपना अनुभव साझा करते हुए इसे यादगार, गौरवपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से उन्हें अपने परिवारजनों के कार्य के महत्व को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर मिला। इस सफल आयोजन के लिए सभी महिलाओं ने भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी ऐसे प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों के आयोजन की अपेक्षा की। आप भी जानिए कार्यक्रम ने खदान एवं संयंत्र के मध्य औद्योगिक एवं भावनात्मक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com